

मनेन्द्रगढ़

01 सितम्बर 2026

मंगलवार



दैनिक

मीडियाऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

प्रयागराज एयरफोर्स स्टेशन के पास

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट

5 की मौत, 15 झुलसे

● 7 घर गिरे ● लोग चारपाई में घायलों को लेकर भागे

प्रयागराज, कौशांबी,एजेंसी। यूपी में सोमवार को प्रयागराज और कौशांबी बॉर्डर पर एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हो गया। इससे 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 झुलस गए हैं। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट से पूरी फैक्ट्री जर्मींदोज हो गई। 50 मीटर के दायरे में आसपास के 5 से 7 मकान भी टूट गए हैं।

पुलिस और एयरफोर्स की टीमों रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हैं। हादसा दोपहर साढ़े 12 बजे कौशांबी जिले के मोहम्मदपुर गांव में हुआ। यह गांव प्रयागराज बॉर्डर पर है। यहां से मनौरी स्थित एयरफोर्स स्टेशन दो किमी है। हादसे के वक्त फैक्ट्री में 15 मजदूर



काम कर रहे थे। आसपास के घरों के कुछ लोग भी घायल हैं।

धमाके की आवाज 2 किमी दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में धुएं का गुबार चारों

डीएम बोले- प्रशासन रेस्क्यू में जुटा, घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा गया...

कौशांबी डीएम मनोष कुमार वर्मा ने बताया- पुलिस टीम मौके पर राहत कार्य में जुटी है। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया है। अब तक जितने लोगों को बाहर निकाला गया है, उनमें से 5 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। सभी को स्त्रुह मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। बाकी घायलों का भी इलाज जारी है। अब तक विस्फोट के कारण 3 घरों के क्षतिग्रस्त होने की बात सामने आई है।

तरफ छा गया। विस्फोट के बाद पटाखों के चलते लगातार धमाके होते रहे। ग्रामीण झुलसे लोगों को चारपाई पर ले जाते दिखे। फैक्ट्री मालिक का नाम आदिल है।

कनाडा में भागवत बोले- मदद करना भारत की परंपरा,विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती

‘ये मेरा, वह तुम्हारा’ की सोच से ऊपर उठना होगा

टोरंटो,एजेंसी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत सोमवार को टोरंटो में ‘हिंदू विश्व बंधु’ कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है। भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा कि ‘ये मेरा, वो तुम्हारा’ जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए।

भागवत बोले- भारत ने मुस्लिम-



ईसाई सभी को स्वीकार किया: भागवत ने कहा कि हिंदू सभी का सम्मान और स्वीकार करते हैं। दुनिया में कहीं किसी पर अत्याचार हुआ और उसने शरण मांगी, तो उसे भारत में जगह मिली। भारत में मुस्लिम, ईसाई, यहूदी, पारसी और दूसरे समुदाय रहते हैं। लोग सिर्फ शरण लेने ही नहीं, बल्कि ज्ञान हासिल करने के लिए भी भारत आए।

उन्होंने कहा कि इसान को फूल की तरह होना चाहिए। कली फूल बने और अपनी खुशबू पूरे वातावरण में फैलाए। इसी तरह व्यक्ति को विकसित होकर मानवता के लिए समर्पित होना चाहिए। एक हिंदू की सोच यह होनी चाहिए कि मुझे भी आगे बढ़ना है, मुझे सफल होना है, क्योंकि मुझे सेवा करनी है।

विजय-शाह के ‘आतंकवादियों की बहन’ केस में एसआईटी जांच पूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला- राज्यपाल को फैसला लेने दीजिए

» मुकदमे की मंजूरी पर दखल से इनकार

दिल्ली/भोपाल, एजेंसी।

मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरेशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरेशी को ‘आतंकवादियों की बहन’ कहा था। उनके खिलाफ दर्ज FIR को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।



सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (SIT) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सौलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है।

सुप्रीम कोर्ट को राज्यपाल के फैसले का इंतजार... मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जय्यमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। SIT की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल के स्तर पर फैसला होना बाकी है।

नेपाल में सैकड़ों कब्र खोदीं, अज्ञात शवों को दफनाना शुरू

● सुरंगों में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी ● अब तक 919 की मौत, 4200 से ज्यादा लापता

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद अज्ञात शवों को दफनाने का काम शुरू हो गया है। चितवन के देवघाट जंगल में प्रशासन ने सैकड़ों कब्रें तैयार की हैं। पिछले दो दिनों में 196 शव दफनाए जा चुके हैं। लंबे समय तक पानी में रहने से कई शव खराब हो गए हैं, जिससे पहचान मुश्किल हो रही है। हर शव को पहचान नंबर देकर रिकॉर्ड किया जा रहा है। बाद में DNA जांच के जरिए पहचान कर शव परिजनों को सौंपने की कोशिश होगी। बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। त्रिशूली-3A समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने से मलबा और कीचड़ हटाय जा रहा है। बाढ़ और भूस्खलन से नेपाल-तिब्बत में 919 लोगों की मौत हो चुकी है। अकेले नेपाल में 903 मौतें हुई हैं, जबकि तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है



4200 से ज्यादा लोग लापता हैं।

रेस्क्यू टीमों में नेपाल के सुरक्षा बलों के साथ भारत और चीन के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। टीमों सुरंगों के अंदर मौजूद लोगों से संपर्क करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है।

बाढ़ के बाद सुरंगों के रास्ते मलबे से बंद हो गए हैं। ऐसे में भारी मशीनों और दूसरे उपकरणों की मदद से रास्ता खोलने का काम



सुरंगों में फंसे लोगों का रेस्क्यू जारी... नेपाल में भीषण बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान लगातार जारी है। त्रिशूली-3A समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने पर जमा मलबा और कीचड़ हटाकर अंदर पहुंचने की कोशिश की जा रही है।

दिल्ली में बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप, ड्राइवर-कंडक्टर अरेस्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने 31 अगस्त को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी दौड़ती रही। बस के शीशों पर पदें लगे थे।

पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी कब हुई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पीड़ित उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं की छात्रा है।

रास्ता भटकने के कारण स्लीपर बस में बैठी छात्रा: पुलिस सूत्रों के मुताबिक, छात्रा परिजनों से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थी और नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। भारी बारिश और अंधेरे के कारण छात्रा गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया,



जिसके बाद बस रुक गई। ड्राइवर-कंडक्टर ने उसे नोएडा सेक्टर-63 जाने की बात कहकर बस में बैठा लिया।

ड्राइवर-कंडक्टर ने किया गैंगरेप: आरोप है कि बस चलने के कुछ देर बाद कंडक्टर ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी पीड़िता को देर रात कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास रिंग रोड पर उतारकर फरार हो गए।

दिल्ली- स्कूल में नर्सरी की बच्ची का यौन शोषण

पीड़ित ने मां से कहा- ये ‘बैड अंकल’

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के बवाना इलाके के एक प्राइवेट स्कूल में तीन साल की छात्रा के यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में स्कूल में काम करने वाले केब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नर्सरी में पढ़ने वाली बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया और उसे कई बार गलत तरीके से छुआ। बच्ची की मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा तो उससे इस बारे में पूछा। बच्ची ने मां को स्कूल में आने वाले एक ‘बैड अंकल’ के बारे में बताया। बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता सकी, इसलिए उसके माता-पिता ने स्कूल प्रशासन को जानकारी दी।

सीसीटीवी और फोटो दिखाने पर आरोपी की पहचान: 24 अगस्त को स्कूल प्रशासन ने बच्ची को कई लोगों की तस्वीरें और सीसीटीवी फुटेज दिखाए। बच्ची ने इनमें आरोपी केब ड्राइवर की पहचान की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और पॉस्को एक्ट की संबंधित धाराओं में सख्कदजर्ज की गई। पुलिस ने इसके बाद आरोपी को स्कूल परिसर से गिरफ्तार कर लिया। शुरुआती जांच में सामने आया कि आरोपी पिछले आठ महीने से स्कूल में केब ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था।

पटना हाईकोर्ट का फैसला:

दूसरी पत्नी भी पारिवारिक पेंशन पाने की

पटना , एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि दूसरी पत्नी भी पारिवारिक पेंशन पाने की हकदार है। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि पिछली सुनवाई में अदालत ने जल संसाधन विभाग के 2019 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मृत सरकारी कर्मचारी की दूसरी पत्नी को पारिवारिक पेंशन देने से इनकार किया गया था।



कलकत्ते में जय लाल साह से जुड़ा है। उनका निधन 17 अप्रैल 2009 को हुआ था।

पेट्रोल-पंपों पर एथेनॉल प्रतिशत बताने की मांग वाली याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट बोला- सक्षम अथॉरिटी के पास जाएं

» ई20 ईंधन से पुरानी गाड़ियों

में खराबी की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है जिसमें पेट्रोल पंपों पर बेचे जा रहे पेट्रोल में इथेनॉल के ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने और इसे पेट्रोल बिल व रसीद पर अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश की मांग की गई थी। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी. वारले की पीठ ने याचिकाकर्ता एवं अधिवक्ता एन.के. गोस्वामी को अपनी शिकायतों के निवारण के लिए संबंधित हाईकोर्ट का दरवाजा



खटखटाने की स्वतंत्रता प्रदान की है।

उपभोक्ताओं के अधिकारों की मांग: सुनवाई के दौरान अधिवक्ता गोस्वामी ने दलील दी कि देश के उपभोक्ताओं को यह जानने का पूरा अधिकार है कि वे जो ईंधन खरीद रहे हैं, उसकी कपोजिशन क्या है। उन्होंने पेट्रोल की रसीदों पर इथेनॉल की मात्रा की कोई जानकारी न होने का मुद्दा

उठाते हुए अदालत से कहा कि रसीद में इथेनॉल का कोई जिक्र नहीं होता और एक ग्राहक के तौर पर उन्हें यह जानने का पूरा अधिकार है। इसके अलावा, उन्होंने उल्लेख किया कि पिछली सुनवाई में अदालत ने जल संसाधन विभाग के 2019 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें मृत सरकारी कर्मचारी की दूसरी पत्नी को पारिवारिक पेंशन देने से इनकार किया गया था।

क्या है याचिका में की गई प्रमुख मांगें? इस याचिका में अदालत से कई अहम राहतों की मांग की गई थी। इसमें प्रमुख रूप से यह निर्देश देने की अपील की गई थी कि सभी पेट्रोल पंपों के नोजल पर पेट्रोल में इथेनॉल का सटीक प्रतिशत प्रमुखता व समान रूप से प्रदर्शित किया जाए और हर ईंधन बिल या रसीद पर इसे स्पष्ट रूप से दर्ज

चाहते हैं कि भारत सरकार सीधे उनके प्रति जवाबदेह हो। इस पर गोस्वामी ने जवाब दिया कि यह मांग उनके व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं बल्कि आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़ी है और देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि वे क्या खरीद रहे हैं।

महिलाएं घर में ही रहें, बाहर निकलने पर होगी तबाही

» केरलम में गैंड मुफ्ती अबू बकर का विवादित बयान

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरलम में गैंड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद महिलाओं को लेकर एक विवादित बयान दिया है।

कोच्चि में आयोजित ‘हब्बुल रसूल सम्मेलन’ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने घरों तक ही सीमित रहना चाहिए और बाहर नहीं निकलना चाहिए, क्योंकि उनका सार्वजनिक क्षेत्र में लाने से भारी विनाश हो सकता है। दरअसल, कंथापुरम एपी अबू बकर मुसलियार के नाम से जाने

जाने वाले ग़ैड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद ने कोच्चि में हब्बुल रसूल सम्मेलन में महिलाओं की तुलना सोने के गहनों से करते हुए उन्होंने तर्क दिया कि जिस तरह आभूषणों की सुंदरता बनाए रखने के लिए उन्हें डिब्बों में बंद रखा जाता है, उसी तरह इस्लाम ने भी उनकी गरिमा और सुरक्षा के लिए पर्दा प्रथा निर्धारित की है।

बता दें कि धर्मगुरु (ग़ैड मुफ्ती शेख अबू बकर अहमद) अखिल भारतीय सुन्नी जमायतुल उलमा और समस्ता केरल जमायतुल उलमा दोनों के महासचिव भी हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति सोने का हार खरीदता है, तो उसे अलमारी से, फिर डिब्बे से और अंत में उसकी



महिलाओं को नीचा दिखाना उद्देश्य नहीं... अबू बकर ने कहा ‘महिलाओं को अपने घरों तक ही सीमित रहना चाहिए। उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र में प्रवेश नहीं करना चाहिए। पवित्र कुरान भी यही कहता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को नीचा दिखाना नहीं था, बल्कि उनका सम्मान करना और उनकी रक्षा करना था।’

पैकिंग से बेहद सावधानीपूर्वक निकालकर दिखाया जाता है। इसके विपरीत, उन्होंने पास की एक दुकान की तुलना की जहां पत्थर की चक्कीयां बेची जाती थीं, जिन्हें सड़क किनारे रख दिया जाता था और लोग आते-जाते उन पर पैर रख देते थे।

संक्षिप्त समाचार

मशाल जुलूस हुआ हिंसक, पुलिस पर पथराव के बाद आंसू गैस के गोले छोड़े

एनसीआर -जनगणना को लेकर हो रहा था विरोध



इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के काकचिंग जिले में रविवार रात राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को अपडेट करने की मांग को लेकर निकाला गया मशाल जुलूस हिंसक हो गया। प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भीड़ को तिसर-बितर करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। घटना में कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आई हैं। वाबागाई, हियांगलाम और आसपास के इलाकों के सैकड़ों ग्रामीणों ने रविवार रात करीब तीन किलोमीटर लंबा मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी नारे लगा रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि राज्य में जनगणना की प्रक्रिया शुरू करने से पहले को अपडेट किया जाए। साथ ही उन्होंने आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के पुनर्वास से पहले जनगणना कराने का विरोध किया।

पुलिस से प्रदर्शनकारियों की झड़प कैसे हुई: अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारी जब काकचिंग जिला मुख्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तब पुलिस ने कीराक बांध इलाके के पास उन्हें रोक दिया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से वापस लौटने को कहा। इसके बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई और प्रदर्शनकारियों में से कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों को मामूली चोटें आईं।

मणिपुर में हिंसा का क्या है पुराना संदर्भ: मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा जारी रही है। इस हिंसा में अब तक 260 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। ताजा विरोध प्रदर्शन में और जनगणना से जुड़े मुद्दों के साथ विस्थापित लोगों के पुनर्वास की मांग भी प्रमुख रही। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

कर्मचारी मांगों को लेकर कांग्रेस विधायकों का विधानसभा तक मार्च

हुड्डा बोले- जनहित की आवाज दबाना चाहती है सरकार



चंडीगढ़। मॉनसून सत्र के दूसरे दिन भी कांग्रेस विधायक नारेबाजी और मार्च करते हुए विधानसभा पहुंचे। इस बार विधायकों ने कर्मचारियों के तमाम मुद्दों को उठाते हुए प्लेकार्ड लहराए। इसमें सफाई कर्मियों की मांगें मानने, कौशल निगम कर्मियों को पक्का करने, कौशल निगम को बन्द करने के लिए ताकि युवाओं का शोषण बंद हो,समान काम समान वेतन ,गेस्ट टीचर्स को पक्का करने, बिजली कर्मियों की मांगों को मानने, फायर ब्रिगेड कर्मियों की मांग, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने, एचपीएससी चेंयरमैन को हटाने और बाहरीयों को नौकरी में प्राथमिकता बंद करने व नौकरियों में पारदर्शिता की मांग उठाई गई। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में तमाम विधायक सरकार-विरोधी नारेबाजी करते हुए विधानसभा तक पहुंचे। रास्ते में एकबार फिर पुलिस ने बैरिकेडिंग और भारी बल प्रयोग कर उन्हें रोकने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों ने विधायकों के साथ धक्कामुक्की करने की भी कोशिश करी। सरकार के इस रवैये की भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कड़े शब्दों में निंदा करी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग रखना न सिर्फ उनका अधिकार है, बल्कि जन्मप्रतिनिधि होने के नाते जनता के मुद्दों को उठाना उनकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा सरकार पूरी तरह तानाशाही पर उतर आई है और वह जनहित के मुद्दों को पूरी तरह दबाना चाहती है। हुड्डा ने कहा कि सरकार याद रखे कि ये कांग्रेस के विधायक हैं, जो न किसी से डरता है और न कभी हार मानता है। जनहित के मुद्दों को पार्टी के विधायक, तमाम नेता और कार्यकर्ता सड़क से लेकर सदन तक पूरजोर तरीके से उठाते रहेंगे। कर्मचारियों के साथ कांग्रेस कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनकी तमाम मांगों का समर्थन करती है।

हौसले की दमदार कहानी: मन की बात में ठेले से दुकान तक का संघर्ष सुन भावुक हुई बबीता, पीएम मोदी भी हुए मुरीद

गाजियाबाद, एजेंसी। मुश्किल हालात कई बार इंसान को तोड़ देते हैं, लेकिन कुछ लोग परिस्थितियों को ही अपनी ताकत बना लेते हैं। नंदग्राम की रहने वाली बबीता शर्मा ऐसी ही मिसाल हैं। पति का साथ छूट या तो तीन बच्चों की जिम्मेदारी के साथ ही रोजी-रोटी का संकट आ गया। घर में बचे महज 5 हजार रुपये से उन्होंने पूजा सामग्री का छोटा सा ठेला लगाना शुरू किया।

बबीता की मेहनत, हौसले और प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से मिले आर्थिक सहारे ने उनके कारोबार को विस्तार दिया। सड़क किनारे लगी ठेली आज नंदग्राम में मंदिर के पास पूजा सामग्री की दुकान है। बबीता के संघर्ष और आत्मनिर्भरता की कहानी रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘मन की बात’ के 137वें एपिसोड में साझा की। प्रधानमंत्री ने बताया कि बबीता पहले सड़क किनारे फूल, दीये, अगरबत्ती, नारियल समेत पूजा सामग्री बेचती थीं। बताया कि पूंजी की जरूरत पड़ने पर पीएम



स्वनिधि योजना के तहत आर्थिक सहायता मिली। इससे उन्होंने दुकान में सामान बढ़ाया, ग्राहक बढ़े और आमदनी में इजाफा हुआ। धीरे-धीरे छोटा ठेला से दुकान में पहुंच गया। प्रधानमंत्री ने इसे महिला सशक्तिकरण और

काम करना ही होगा। घर में बचे पांच हजार रुपये से पूजा सामग्री खरीदी और मंदिर के सामने बिक्री शुरू कर दी। बताया कि शुरुआती दौर में कम पूंजी के कारण कारोबार सीमित रहा। इसी बीच पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। उन्होंने योजना के तहत 10

हजार रुपये के पहले ऋण के लिए आवेदन किया और राशि मिलने के बाद पूरा पैसा कारोबार में लगाया। उन्होंने बताया कि समय पर ऋण चुकाने पर उन्हें 20 हजार और फिर 50 हजार रुपये तक का ऋण मिला। बढ़ती पूंजी के साथ पूजा सामग्री का स्टॉक के साथ कारोबार ने भी रफ्तार पकड़ी।

बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च संभाल रहीं

आज दुकान की कमाई से बबीता तीनों बच्चों की जिम्मेदारी उठा रही हैं। उनके दो बच्चे अभी स्कूल में पढ़ रहे हैं, जबकि एक बेटा नौकरी कर रहा है। कभी पांच हजार रुपये से शुरू हुआ कारोबार अब उनके परिवार के लिए स्थायी आय का जरिया बन चुका है।

मोदी को बताया बड़े भाई जैसा : मन की बात में प्रधानमंत्री द्वारा नाम लिए जाने की जानकारी मिलने पर बबीता भावुक हो गईं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अपना बड़े भाई जैसा बताते हुए कहा कि आज उनकी वजह से वह समाज में आत्मनिर्भर होकर सम्मान से जीवन जी रही हैं। उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार के साथ जिला प्रशासन का भी आभार जताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने उद्बोधन में गाजियाबाद की बबीता शर्मा का नाम मन की बात कार्यक्रम के दौरान लिया। यह जिले के लिए गौरव की बात है।

इंजीनियर युवराज मेहता को कब मिलेगा न्याय, मलाईदार पदों पर मौज काट रहे जिम्मेदार; शासन ने मांगा जवाब



नोएडा, एजेंसी। नोएडा में सांपट्येवर इंजीनियर युवराज मेहता की मृत्यु 16 जनवरी को सेक्टर-150 स्थित एससी टू भूखंड के बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में कार गिरने और डूबने से हुई थी। घटना

विषय बना हुआ है। जानकार बताते हैं कि एसआईटी अपनी रिपोर्ट शासन को दे चुकी है। शासन के पास रिपोर्ट विचाराधीन है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि एसआईटी ने गोलमोल रिपोर्ट दी, जिसकी वजह से शासन ने प्राधिकरण को विभागीय जांच करने और कार्रवाई का आदेश दिया था। उधर, अधिकारियों ने इस संबंध में रिपोर्ट शासन को सौंप दी है, जिस पर शासन ने गंभीर आपत्ति जताई है। शासन का कहना है कि रिपोर्ट में खानापूरी की गई है, जिससे युवराज मेहता के पिता की न्याय की उम्मीद भी टूट गई है।

जवाब और दस्तावेज मांगे

सूत्रों के अनुसार, उप सचिव ने इस मामले में 18 अगस्त को प्राधिकरण के सीईओ को पत्र भेजकर सात बिंदुओं पर विस्तृत जवाब और दस्तावेज मांगे हैं। हादसे की जांच के लिए प्राधिकरण ने सिविल, विद्युत यांत्रिक और ट्रैफिक सेल के महाप्रबंधक की समिति गठित की थी। शासन ने सवाल उठाया है कि यदि तीनों विभागों के प्रबंधकों और जूनियर इंजीनियर को प्रथम दृष्टया दुर्घटना के लिए जिम्मेदार माना गया है, तो संबंधित महाप्रबंधकों को दोषी क्यों नहीं ठहराया गया।

मलाईदार पदों पर तैनाती दे दी : प्राधिकरण ने केवल सविदा पर तैनात एक जूनियर इंजीनियर के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी है, बाकी पर कार्रवाई के बजाए इधर-उधर कर इतिथि कर ली गई। जबकि प्रबंधकों पर कार्रवाई किए जाने के बजाए मलाईदार पदों पर तैनाती दे दी गई। शासन ने सभी जूनियर इंजीनियरों व प्रबंधकों के खिलाफ हुई कार्रवाई का पूरा ब्योरा और उसका आधार मांगा है। रिपोर्ट में तकनीकी आडिट सेल (टीएससी) और तकनीकी गुणवत्ता के लिए नामित संस्था के साथ जांच का उल्लेख है, लेकिन प्रारंभिक जांच आख्या और संबंधित दस्तावेज शासन को उपलब्ध नहीं कराए गए। शासन ने यह भी पूछा है कि हादसे से पहले सेक्टर-150 में देखरेख और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी थी। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम, पद और दायित्व संबंधी निर्देशों की जानकारी मांगी गई है।

प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी।

नेपाल में सूरगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सुरग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा

है। सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सुरग में रेशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सुरग में जाने पर सात मीटर व्यास वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सुरग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। त्रिशूली-3ए सुरग में फंसे हैं 35 श्रमिक...898 कामगार

कई अन्य सुरगों में फंसे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूत्रबुझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी।

व्यापार वार्ता टूटने के बाद ट्रंप का कनाडा पर हमला, बोले- मुझे खराब लगता है ये देश

वाशिंगटन, एजेंसी।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार वार्ता टूटने के बाद कनाडा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने अपने उत्तरी पड़ोसी को 'सबसे बड़े शोषणकर्ताओं में से एक' बताया और कनाडाई कंपनियों से शुल्क से बचने के लिए अपना कारोबार अमेरिका में स्थानांतरित करने की अपील की। ट्रंप ने टुथ सोशल पर कई पोस्ट में अपनी शुल्क नीति को अमेरिका के वाहन उद्योग को बचाने का श्रेय दिया। उन्होंने कनाडा पर अनुचित व्यापार गतिविधियों का भी आरोप लगाया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'जब मैंने 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की थी, तब शुरुआत में ही फोर्ड डेट्रॉइट में अपनी बड़ी



फैक्टरी बंद करने की तैयारी कर रही थी। फिर, क्योंकि मैं चुनावी सर्वेक्षणों में आगे चल रहा था, उन्होंने यह देखने के लिए इसे थोड़े समय और खुला रखने का फैसला किया कि क्या होता है। अब यह 24 घंटे, सातों दिन चल रही है और दुनिया की सबसे अधिक लाभदायक कार फैक्ट्रियों में से एक है। 'कनाडा से आने वाले सामान पर ट्रंप ने क्यों जताई

नाराजगी: अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि फोर्ड, जनरल मोटर्स और अन्य कंपनियों के ऐसे कई और उदाहरण हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने अमेरिका के वाहन उद्योग को 'फिर से खड़ा किया और वास्तव में बचाया' है। ट्रंप ने कहा, 'यह मेरे द्वारा शुल्कों को लेकर उठाए गए कदमों की वजह से हुआ है। सबसे बड़े शोषणकर्ताओं में से एक कनाडा है। मुझे कनाडाई कारों नहीं चाहिए, मुझे कनाडाई पुर्जे नहीं चाहिए, मुझे कनाडा की कोई चीज नहीं चाहिए। वे दशकों से हमारा शोषण कर रहे हैं और अब यह बंद होगा। 'उन्होंने कनाडा के खिलाफ सख्त रुख नहीं अपनाने के लिए पिछली अमेरिकी सरकारों पर भी निशाना साधा।

ट्रंप ने कहा, 'यह काम बहुत पहले दूसरे राष्ट्रपतियों के समय हो जाना चाहिए था। ठीक वैसे ही जैसे ईरान को रोकने का काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। ट्रंप ने कनाडा की उस अपेक्षा पर भी आपत्ति जताई। जिसमें उसके साथ अमेरिका के किसी राज्य की तरह व्यवहार किए जाने की बात कही गई है।

कनाडा को क्यों नहीं मिलेगी कोई छूट: उन्होंने कहा, 'वे चाहते हैं कि उनके साथ एक राज्य की तरह व्यवहार किया जाए, लेकिन वे राज्य नहीं हैं। मैं कई देशों के नेतृत्व के साथ काम करता हूँ, लेकिन मुझे कनाडा सबसे खराब लगता है। अब उन्हें किसी तरह की विशेष छूट नहीं मिलेगी।

प. एशिया में फिर बढ़ा तनाव: अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दागे रॉकेट, मोजतबा ने किया इस्लामी एकता का आह्वान

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने इस्लामी देशों के शासकों से कहा कि वे 'अपने असली दुश्मन को पहचानें, उसकी योजनाओं को समझें और उसका सामना करें'। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। छह महीने पहले अमेरिका और इराइल ने ईरान पर हमला किया था। इस हमले में खामेनेई के पिता और ईरान के कई दूसरे वरिष्ठ नेता मारे गए थे। इसके बाद भी खामेनेई को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्होंने यह बात तेहरान में हुए एक सम्मेलन में शामिल धार्मिक नेताओं को लिखे पत्र में कही। युद्ध के बाद इस्लामी देशों के बीच मतभेद सामने आए हैं। ईरान ने पड़ोसी खाड़ी अरब देशों में अमेरिकी टिकानों को निशाना बनाया। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही भी सीमित कर दी। तेहरान क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी का विरोध करता रहा है।

नेतन्याहू के बेटे को अमेरिका से क्यों निकाला गया: इराइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने कहा कि उसने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सबसे बड़े बेटे को अमेरिका से तुरंत



बाहर निकाला। उन्हें धमकी मिली थी। शिन बेट ने रविवार को जारी एक छोटे बयान में इसकी पुष्टि की। उसने कहा कि यायर नेतन्याहू को 'गंभीर धमकी' मिली थी। एजेंसी ने इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। हालांकि, प्रधानमंत्री ने पिछले हफ्ते एक इराइली टेलीविजन चैनल से कहा था कि ईरान ने उनके एक बेटे को मारने की कोशिश की थी। उनके कार्यालय ने रविवार को इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। यायर नेतन्याहू 2023 में मियामी चले गए थे। गाजा, लेबनान और ईरान में इराइल के युद्ध

समुद्री व्यापार संगठन ने कहा कि जहाज अंदर की ओर जा रहा था। किसी के हाताहत होने या पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं मिली है। संगठन ने कुछ सैन्य अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। इस हमले की तुरंत किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली।

वेस्ट बैंक में पत्रकारों पर हमला: इराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक के मध्य हिस्से में शनिवार को बस्ती बसाने वालों (शेठलर्स) ने पत्रकारों की एक टीम पर हमला किया। उस समय यह टीम एक फलस्तीनी महिला का इंटरव्यू कर रही थी। महिला ने कहा था कि उसे अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था। एनबीसी के अनुसार, संवाददाता मैट ब्रैडली, दो अन्य कर्मचारियों और महिला का चोटों के लिए इलाज किया गया। उनकी चोटों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। एनबीसी ने एक वीडियो भी साझा किया। इसमें नकाब पहने लोग डंडे लेकर समाचार दल की ओर आते और उनके वाहनों पर हमला करते दिख रहे हैं।

इराइली सेना ने कहा कि उसे फलस्तीनियों के घायल होने की खबरों की जानकारी है। इसमें एक फलस्तीनी महिला भी शामिल है, जिसे ऐसी चोटें आई हैं जो जानलेवा नहीं हैं।

सेना ने पत्रकारों की टीम पर हुए हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की। इराइल के प्रधानमंत्री ने शनिवार को वेस्ट बैंक में बस्ती बसाने वालों की हिंसा की निंदा की। यह उनकी ऐसी दुर्लभ प्रतिक्रिया थी। इन हमलों को लेकर नेतन्याहू की अमेरिका ने भी आलोचना की है। इराइली बस्ती बसाने वालों ने शनिवार को वेस्ट बैंक के एक फलस्तीनी गांव से एक ब्रिटिश कार्यकर्ता को पकड़ लिया। उसके वकील ने रविवार को यह जानकारी दी। वकील ने अनुसार, उसे एक शेड में बंद किया गया। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। यह साफ नहीं है कि उसे क्यों पकड़ा गया। बस्ती बसाने वालों ने आरोप लगाया कि फिन जोगिन ने एक बच्चे पर हमला किया। वकील इनवार शेवड वाडी ने इस आरोप से इनकार किया।

गाजा में इराइली हमले में दो फलस्तीनी मारे गए: गाजा के पश्चिमी हिस्से में दीर अल-बला में लोगों के एक समूह पर इराइली हमला हुआ। इसमें तीन साल के बच्चे और एक व्यक्ति की मौत हो गई। इराइली सेना ने उस व्यक्ति को हामास का सदस्य बताया। इराइली सेना ने कहा कि वह व्यक्ति 'तुरंत खतरा पैदा कर रहा था'।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश, 5 सितंबर को मझौली में लगेगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान का शिविर



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान, सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, बाढ़ एवं अतिवृष्टि से उत्पन्न परिस्थितियों, स्थापना एवं पेंशन प्रकरणों सहित विभिन्न

विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी लिंबित कार्यों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के अंतर्गत अगला जिलास्तरीय शिविर 5 सितंबर 2026 को

मझौली में आयोजित किया जाएगा। शिविर के लिए सीएम हेल्पलाइन से 46 शिकायतों को चिन्हित किया गया है। शिविर स्थल पर संबंधित शिकायतकर्ताओं से संवाद कर उनकी शिकायतों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित शिकायतों का प्राथमिकता से

निराकरण करते हुए शिकायतकर्ताओं को संतुष्टिपूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाए। सीएम हेल्पलाइन तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लिंबित आवेदनों का भी समय-सीमा में निराकरण करने को कहा गया।

बाढ़-अतिवृष्टि पर सतत निगरानी के निर्देश: कलेक्टर ने जिले में बाढ़ एवं अतिवृष्टि की स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निर्माण एजेंसियों को सड़क, पुल-पुलिया, बांध, स्टॉप डैम, चेक डैम सहित अन्य संरचनाओं की स्थिति पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। कहीं भी क्षति या खतरों की स्थिति सामने आने पर तत्काल आवश्यक कदम

उठाने को कहा गया। प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने, छात्रावासों पर विशेष ध्यान देने तथा राहत प्रकरणों का समय पर निराकरण कर प्रभावित हितग्राहियों को नियमानुसार भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगरीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति को देखते हुए गर्भवती महिलाओं को संभावित प्रसव तिथि से पूर्व आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य संस्थानों में भर्ती कराया जाए, ताकि आपात परिस्थितियों में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बिना अनुमति मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे अधिकारी: कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी अधिकारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ेंगा। सभी अधिकारी अपने मुख्यालय पर उपलब्ध रहते हुए सौंपे गए दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करेंगे। उन्होंने स्थापना संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कर्मचारियों के विभिन्न स्वत्वों का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने तथा पेंशन प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लिंबित नहीं रखने के निर्देश दिए।

वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति पर जोर: कलेक्टर ने कहा कि वित्तीय वर्ष की छमाही पूर्ण होने वाली है। सभी विभाग निर्धारित लक्ष्यों और अब तक की प्रगति की समीक्षा करें। जिन योजनाओं में लक्ष्य अपेक्षित स्तर तक प्राप्त नहीं हुए हैं, उनमें विशेष प्रयास करते हुए शेष अवधि में प्रगति बढ़ाई जाए। स्वरोजगार संबंधी लक्ष्यों को समय पर पूर्ण करने, राजस्व वसूली में तेजी लाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

फसल नुकसान पर प्रदर्शन, सैकड़ों मवेशियों संग पहुंचे किसान,जिला पंचायत सदस्य को अधिकारियों ने तहसील पहुंचने से रोका

मीडिया ऑडीटर, शहडोल(निप्र)। ब्यूँहारी में सोमवार को आवारा मवेशियों से फसलों को हो रहे नुकसान और गौवंश की सुरक्षा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला पंचायत सदस्य दुर्गा तिवारी के नेतृत्व में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से सैकड़ों मवेशियों को इकट्ठा कर तहसील कार्यालय ले जाया जा रहा था। हालांकि, प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते में ही रोक लिया। जिला पंचायत सदस्य दुर्गा तिवारी ने अनुविभागीय अधिकारी, ब्यूँहारी को पहले ही पत्र लिखकर 31 अगस्त को सुबह 6 बजे से मवेशियों को एकत्र कर तहसील कार्यालय पहुंचने की सूचना दी थी। उन्होंने चेतावनी भी दी थी कि मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, बुड़वा, बुड़ा, रामपुरा, कुठिया, जगमल, करौंदिया और आसपास के अन्य गांवों से बड़ी संख्या में आवारा मवेशियों को इकट्ठा किया गया। सैकड़ों मवेशियों के काफिले के तहसील की ओर बढ़ने की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोक लिया। बड़ी संख्या में मवेशियों की मौजूदगी से स्थिति असमान्य हो गई थी। इसके बाद अधिकारियों और जिला पंचायत सदस्य के बीच मौके पर ही बातचीत हुई। प्रदर्शनकारियों ने किसानों की फसल बचाने और गौवंश को सुरक्षित रखने के लिए स्थायी व्यवस्था की मांग की। दुर्गा तिवारी ने एसडीएम को दिए अपने पत्र में बताया था कि जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-2 की 22 पंचायतों में बड़ी संख्या में आवारा मवेशी सड़कों और खेतों में घूमते रहते हैं, जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने गौवंश के संरक्षण के लिए पर्याप्त गौशालाओं के अभाव को इस समस्या का मुख्य कारण बताया।

बारिश के बीच रीवा नगर निगम की कार्रवाई, वार्ड-34 में जर्जर भवन जेसीबी से गिराया



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बारिश एवं अतिवृष्टि को देखते हुए नगर निगम रीवा ने जर्जर और भयप्रद भवनों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त अश्वत जैन के निर्देश पर जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में ऐसे भवनों का निरीक्षण किया जा रहा है, जिनसे बारिश के दौरान हादसे की आशंका बनी हुई है। चिन्हित भवनों को नियमानुसार नोटिस जारी कर

निगम की टीम ने वार्ड क्रमांक 34 स्थित मकान क्रमांक 149 का निरीक्षण किया। यह मकान नादिर खान पिता बजीर खान के नाम बताया गया है। निरीक्षण के दौरान भवन की दीवारें कच्ची एवं मिट्टी से निर्मित पाई गईं। लगातार बारिश के कारण भवन की स्थिति जर्जर हो गई थी और उसके गिरने की आशंका बनी हुई थी। आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा को

निगम निगम अधिकारियों के अनुसार भवन स्वामी को नियमानुसार नोटिस जारी कर 24 घंटे के भीतर जर्जर भवन को स्वयं सुस्थित तरीके से हटाने के निर्देश दिए गए थे। निर्धारित समयवाधि में भवन नहीं हटाए जाने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई और जेसीबी मशीन की सहायता से जर्जर भवन को सुरक्षित तरीके से गिराया गया। नगर निगम की इस कार्रवाई का उद्देश्य बारिश के दौरान कमजोर भवनों के गिरने से होने वाली संभावित दुर्घटनाओं को रोकना है। निगम अधिकारियों ने बताया कि अतिवृष्टि के दौरान कच्चे एवं पुराने भवनों की स्थिति तेजी से खराब हो सकती है। ऐसे में भवनों का समय रहते निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई जनसुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

बाणसागर के 7 गेट खुले, सोन नदी का बढ़ा जलस्तर; चितरंगी के 64 गांवों पर बाढ़ का खतरा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। बाणसागर परियोजना के सात गेट खोले जाने के बाद सिंगरौली जिले के चितरंगी क्षेत्र में सोन नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। नदी में लगातार बढ़ते पानी को देखते हुए प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अलर्ट जारी करते हुए नदी किनारे और निचले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए चितरंगी विकासखंड के करीब 64 गांवों को संवेदनशील माना जा रहा है। जलस्तर बढ़ने के बाद पुलिस और राजस्व विभाग की टीमों संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार नजर बनाए हुए हैं। प्रशासन की ओर से नदी किनारे बसे ग्रामीणों को सतर्क रहने की समझाइश दी जा रही है। लोगों से



अपील की गई है कि बड़े हुए जलस्तर को देखते हुए नदी, नाले और जलभराव वाले स्थानों के नजदीक जाने से बचें। विशेष रूप से बच्चों और मवेशियों को नदी एवं अन्य जलस्रोतों से दूर रखने की सलाह दी गई है।

संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात: संभावित बाढ़ और जलस्तर बढ़ने से किसी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस बल को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। पुलिस एवं राजस्व अमला सोन नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रख रहा है। प्रशासन द्वारा जलस्तर में होने वाले बदलाव की जानकारी जुटाई जा रही है ताकि

स्थिति के अनुसार तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। यदि नदी का जलस्तर और बढ़ता है तो संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

एसडीओपी ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा: सोन नदी में बढ़ते जलस्तर के बीच एसडीओपी ललित बैरागी ने संवेदनशील एवं संभावित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जांचा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद पुलिस टीम से स्थिति की जानकारी ली और लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

सोन नदी में महिला का शव मिला :सीधी में अंतिम संस्कार के बाद बहने की आशंका



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी के अमिलिया-जोगदहा पुल के पास रविवार देर रात सोन नदी में एक अज्ञात महिला का शव बहता दिखा। ग्रामीणों ने रात करीब 12 बजे अमिलिया-जोगदहा पुल के पास शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले शव तेज बहाव में आगे बह गया। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

तेज बहाव में बह गया शव: सूचना मिलते ही थाना प्रभारी रakesh बैस पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने नदी के किनारे और आसपास के संभावित स्थानों पर उसकी तलाश शुरू की है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए शव के कई किलोमीटर दूर बह जाने की आशंका है।

मौत की वजह स्पष्ट नहीं: थाना प्रभारी ने प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई है कि किसी स्थान पर अंतिम संस्कार के बाद शव नदी में बहाया गया होगा। तेज बहाव के कारण शव अमिलिया-जोगदहा पुल तक पहुंचने की बात कही गई है। हालांकि, महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और शव नदी में कैसे पहुंचा, यह स्पष्ट नहीं है। क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण सोन नदी उफ़ान पर है। अमिलिया-जोगदहा पुल के पास तेज बहाव के साथ लकड़ियां और लुंठे भी बहकर आ रहे हैं। बाणसागर नहर का गेट खोले जाने से भी नदी में पानी का प्रवाह बढ़ हुआ बताया गया है।

मैहर में सीमेंट प्लांट के खिलाफ युवाओं का प्रदर्शन, स्थानीय रोजगार और ओवरलोड वाहनों पर रोक की मांग



मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने और

सड़कों पर ओवरलोड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को मैहर में

युवाओं ने प्रदर्शन किया। युवा नेता दिलीप दुबे के नेतृत्व में सैकड़ों युवाओं ने स्टैंडियम से अल्ट्राटेक

ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की मांग: युवाओं ने क्षेत्र की सड़कों पर चलने वाले

ओवरलोड वाहनों को लेकर भी नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि क्षमता से अधिक भार लेकर चलने वाले वाहनों से सड़कों को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने प्रशासन और प्लांट प्रबंधन से ओवरलोड वाहनों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाने तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की।

तेज बारिश में भी गेट पर डटे रहे प्रदर्शनकारी: प्रदर्शन के दौरान तेज बारिश शुरू हो गई, लेकिन इसके बावजूद युवा सीमेंट प्लांट के मुख्य द्वार के सामने अपनी मांगों को लेकर डटे रहे। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार साधना सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर

पहुँचीं। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर उनकी मांगों और समस्याओं की जानकारी ली। प्रशासन की मौजूदगी में युवाओं ने कंपनी प्रबंधन को अपना जापन सौंपा। जापन के माध्यम से स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता देने और ओवरलोड वाहनों के संचालन पर रोक लगाने सहित अन्य मांगें रखी गईं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को आगे और व्यापक किया जाएगा। युवाओं ने प्रशासन से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा क्षेत्र की सड़कों की सुरक्षा के लिए ओवरलोड वाहनों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की।

सीधी जिले में अब तक 945 मिमी औसत वर्षा, पिछले साल की तुलना में 165.9 मिमी कम बारिश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में मानसून के दौरान अब तक 945.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। वहीं 31 अगस्त को जिले में 31.4 मिमी औसत बारिश हुई। तहसीलवार आंकड़ों में कुसमी में सर्वाधिक 80 मिमी वर्षा दर्ज की गई। राजस्व एवं भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी वर्षा संबंधी आंकड़ों के अनुसार जिले में बारिश का वितरण अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग रहा। 31 अगस्त को सिहावल में 59.4 मिमी, गोपद बनास में 26 मिमी, मझौली में 7 मिमी, बहरी में 19.8 मिमी, रामपुर नैकिन में 18 मिमी तथा चुरहट में 10 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इस तरह एक ही दिन में जिले में औसतन 31.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई।

सिहावल में सबसे ज्यादा 1263 मिमी बारिश: विभाग के अनुसार 1 जून से 31 अगस्त 2026 तक जिले में कुल 945.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस प्रकार जिले में तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सिहावल में सबसे अधिक 1263.0 मिमी वर्षा हुई है। इसके बाद कुसमी में 1218.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं मझौली में 889.0 मिमी, गोपद बनास में 869.8 मिमी, चुरहट में 818.5 मिमी, बहरी में 812.4 मिमी तथा रामपुर नैकिन में सबसे कम 743.2 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। बारिश के इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले के कुछ क्षेत्रों में अच्छी वर्षा हुई है, जबकि कई तहसीलों में औसत वर्षा तुलनात्मक रूप से कम रही है। विशेष रूप से सिहावल और कुसमी में इस मानसून सीजन में अच्छी बारिश दर्ज की गई है।

पिछले वर्ष से 165.9 मिमी कम बारिश: वर्षा के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष इसी अवधि यानी 1 जून से 31 अगस्त तक जिले में 1110.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस वर्ष अब तक 945.0 मिमी बारिश हुई है। इस प्रकार पिछले वर्ष की तुलना में जिले में 165.9 मिमी कम वर्षा दर्ज की गई है। बारिश की स्थिति पर प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा नजर रखी जा रही है। तहसीलवार वर्षा के आंकड़े नियमित रूप से दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे जिले में मानसून की स्थिति का आकलन किया जा सके।

आंगनवाड़ी सहायिका की नियुक्ति में रिश्तत मांगने के आरोप पर प्रभारी परियोजना अधिकारी निर्लंबित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आंगनवाड़ी सहायिका की नियुक्ति के एवज में एक लाख रुपये रिश्तत मांगने के आरोप में कलेक्टर विकास मिश्रा ने ज्योति विश्वकर्मा, पर्यवेक्षक एवं प्रभारी परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना मझौली को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर दिया है। मामला आंगनवाड़ी केन्द्र पांड क्रमांक-01 में सहायिका के पद पर नियुक्ति से संबंधित है। आवेदिका किरण बैगा द्वारा इस संबंध में शिकायत की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि नियुक्ति के एवज में ज्योति विश्वकर्मा द्वारा व्यक्तिगत रूप से तथा फोन के माध्यम से एक लाख रुपये रिश्तत की मांग की जा रही थी। शिकायत पर प्राप्त निर्देशों के बाद मामले की जांच की गई। जांच के दौरान नियुक्ति प्रक्रिया में एक माह से अधिक का विलंब किए जाने के साथ ही रिश्तत की मांग से संबंधित तीन ऑडियो प्रमाण भी पाए गए। जांच में सामने आए तथ्यों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने ज्योति विश्वकर्मा के कृत्य को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आवरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के विपरीत एवं कदाचरण की श्रेणी में माना। कलेक्टर द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत ज्योति विश्वकर्मा को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित किया गया है। निर्लंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय परियोजना अधिकारी, बाल विकास परियोजना रामपुर नैकिन क्रमांक-01, जिला सीधी निर्धारित किया गया है। उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

डिजिटल श्रम चौक पोर्टल पर श्रमिक एवं नियोजक कराएं पंजीयन

श्रमिकों को रोजगार के अवसर और नियोजकों को आवश्यकता के अनुरूप श्रमिक उपलब्ध कराने की पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले के समस्त श्रमिकों एवं नियोजकों की सुविधा के लिए डिजिटल श्रम चौक पोर्टल प्रारंभ किया गया है। पोर्टल के माध्यम से श्रमिकों को रोजगार के अवसरों से जोड़ने तथा नियोजकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप श्रमिक उपलब्ध करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्रमिक डिजिटल श्रम चौक पोर्टल पर अपनी योग्यता, कौशल एवं कार्य अनुभव से संबंधित जानकारी दर्ज कर रोजगार के उपलब्ध अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वहीं नियोजक अपनी श्रम

आवश्यकता के अनुसार पोर्टल पर उपलब्ध पंजीकृत श्रमिकों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यकतानुसार श्रमिकों का चयन कर सकते हैं। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जिले के समस्त श्रमिकों एवं नियोजकों से अपील की है कि वे डिजिटल श्रम चौक पोर्टल पर अपना पंजीयन करवाते हुए आवश्यक विवरण अद्यतन करें और पोर्टल पर उपलब्ध सुविधाओं का अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने जिले के औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा संबंधित संगठनों से भी अनुरोध किया है कि डिजिटल श्रम चौक पोर्टल का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करते हुए श्रमिकों एवं नियोजकों को इसके उपयोग के लिए प्रेरित करें। पोर्टल के प्रभावी उपयोग से अधिक से अधिक श्रमिकों को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

संबल हितग्राही अनिवार्य रूप से पूर्ण कराएं आधार ई-केवाईसी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक श्रम पदाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार संबल योजना के हितग्राहियों के लिए सदस्य सम्प्रदाई की आधार ई-केवाईसी पूर्ण करना अनिवार्य है। ई-केवाईसी पूर्ण होने के बाद ही असंगठित श्रमिक (संबल) के पंजीयन एवं योजना के अंतर्गत विभिन्न हितलाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि जिले में संबल योजना के अंतर्गत कुल 3,50,971 श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें से 3,13,572 श्रमिकों की ई-केवाईसी पूर्ण हो चुकी है, जबकि 32,419 श्रमिकों की ई-केवाईसी अभी लिंबित है। ई-केवाईसी पूर्ण नहीं

कराने वाले पंजीकृत संबल कार्डों को मंडल द्वारा संबल पोर्टल पर निष्क्रिय (डिसेबल) कर दिया गया है। सहायक श्रम पदाधिकारी ने जिले के सभी पंजीकृत संबल कार्डधारी श्रमिकों से अपील की है कि वे अपने संबल कार्ड की ई-केवाईसी तत्काल पूर्ण कराएं। यदि किसी योजना के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रस्तुत करें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि ई-केवाईसी पूर्ण नहीं होने की स्थिति में श्रमिक भविष्य में संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाले हितलाभ से वंचित हो सकते हैं।

डिजिटल जाल में बचपन

संपादकीय

प्लेटफ़ॉर्म सुनिश्चित करें सुरक्षा जवाबदेही भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आए। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18

अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुर्माने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता

स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इन्फिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें

और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सूझा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना को सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा

लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो

डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्मस को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके।

आरक्षण की राजनीति

डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

भारतीय राजनीति में जाति, आरक्षण और सामाजिक न्याय का प्रश्न कोई नया नहीं है। आजादी के बाद से ही सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए संविधान ने विशेष प्रावधान किए। समय के साथ आरक्षण केवल सामाजिक प्रतिनिधित्व का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह भारतीय चुनावी राजनीति का एक प्रभावशाली हथियार भी बन गया। आज स्थिति यह है कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों दल सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण के सवालों को अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं। इससे समाज का एक बड़ा वर्ग स्वयं को राजनीतिक रूप से ठगा हुआ महसूस कर रहा है। हाल में राहुल गांधी द्वारा एक दलित नेता के कार्यक्रम के बाद कथित रूप से स्थान के शुद्धिकरण को लेकर दिया गया बयान इसी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है। उनका कहना था कि यदि किसी व्यक्ति की जाति के आधार पर किसी स्थान का शुद्धिकरण किया गया है तो यह छुआछूत की मानसिकता को दर्शाता है और इस पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बयान को लेकर हल्लानी कोतवाली में अमित कुमार द्वारा शिकायत किए जाने और पुलिस द्वारा प्रार्थमिकी दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता ने स्वयं को अनुसूचित जाति समुदाय से बताते हुए आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने पूरे तथ्य जाने बिना सफाई को सामान्य प्रक्रिया को जातिगत भेदभाव से जोड़ दिया। यह मामला केवल एक राजनीतिक बयान या प्रार्थमिकी तक सीमित नहीं है। इसके पीछे भारतीय राजनीति में जाति की लगातार बढ़ती भूमिका का बड़ा प्रश्न छिपा हुआ है। यदि वास्तव में किसी व्यक्ति को उसकी जाति के कारण अपमानित किया गया है तो निश्चित रूप से कानून को अपना काम करना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर, किसी सामान्य प्रशासनिक, धार्मिक अथवा सामाजिक प्रक्रिया को बिना पर्याप्त तथ्य के जातिगत भेदभाव का नाम देना भी गंभीर विषय है। सामाजिक न्याय की लड़ाई तभी मजबूत होगी जब आरोप तथ्य और प्रमाण पर आधारित हों, न कि राजनीतिक सुविधा पर।इसी बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम और आर्थिक आधार पर आरक्षण सहित विभिन्न मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद केंद्रीय नेताओं के बयानों ने आरक्षण की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। राजनाथ सिंह, अमित शाह और चिराग पासवान जैसे नेताओं के बयानों को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सत्ता और विपक्ष भारतीय समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं? विपक्ष पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि वह संविधान, मनुस्मृति और छुआछूत जैसे मुद्दों को राजनीतिक हथियार बनाकर दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करना चाहती है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष पर भी आरोप है कि वह आरक्षण और संविधान की राजनीति के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच अपना चुनावी आधार मजबूत करने का प्रयास करती है। यदि दोनों पक्षों की राजनीति का केंद्र केवल चुनावी गणित बन जाय तो सामाजिक न्याय का मूल उद्देश्य पीछे छूट सकता है। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य को स्पष्ट करना भी आवश्यक है। भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व संबंधी आरक्षण की प्रारंभिक अवधि दस वर्ष निर्धारित की गई थी, लेकिन संसद ने संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से इसे लगातार आगे बढ़ाया है। इसलिए यह कहना कि भारत में हर प्रकार का आरक्षण केवल दस वर्ष के लिए था । आरक्षण का मूल उद्देश्य उन समुदायों को अक्सर देना था जिन्हें सदियों तक सामाजिक भेदभाव और अवसरों की असमानता का सामना करना पड़ा, यह उद्देश्य आज भी महत्वपूर्ण है। लेकिन सात दशक से अधिक समय बाद यह सवाल पूछना भी लोकतांत्रिक अधिकार है कि आरक्षण व्यवस्था का लाभ सबसे अधिक जरूरतमंद व्यक्ति तक किस प्रकार पहुंचे। क्या लाभ एक सीमित वर्ग तक ही केंद्रित हो रहा है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन आरक्षण के दायरे से बाहर रहने वाले परिवारों के लिए पर्याप्त अवसर हैं? क्या शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जिससे किसी व्यक्ति को केवल जाति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर भी सहायता मिले? आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग इसी व्यापक बहस का हिस्सा है।

बेटी बचाओ पर भारी पड़ रहे हैं सिरफिरे शोहदे !

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली तिलक नगर अगस्त 2026 में 21 वर्षीय मॉडल मुस्कान की एक जिम ट्रेनर इमरान द्वारा उसके घर में घुसकर चाकू से हत्या कर दी गई, क्योंकि वह एकतरफा प्यार में उसे पेशान कर रहा था। कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।शुरुआती जांच के अनुसार, इमरान पिछले डेढ़ साल से मुस्कान को परेशान कर रहा था और उस पर शادی का दबाव बना रहा था। मुस्कान ने उससे दूरी बना ली थी और जिम जाना भी छोड़ दिया था।ये तो सिर्फ बानगी है देश के अधिकांश जिलों में कहीं न कहीं इस तरह की वारदातें सामने आ चुकी हैं। इसे पितृसत्तात्मक समाज की लैंगिक असमानता भरी परवरिश से पैदा खूनो हनक करार दिया जाए या युवा शोहदों में पैदा हो रहा जुनून भरा अनेतिक और दमनकारी दुराचरण जिसके चलते शोहदे यदि मेरी नहीं होगी तो किसी की नहीं होगी की जिद्दी नफरत पाल रहे हैं । दरअसल समाज और कानून का खत्म होता ख़ौफ भी इसके लिए जिम्मेदार है। लम्बी कानूनी प्रक्रिया गवाहों को सुरक्षा न मिलना मुलजिम्ओं को जमानत मिल जाना और कई साल की सुनवाई के बाद बरी हो जाना ऐसे अपराधिक प्रवृति वाले शोहदों के लिए दुष्परणवा का आधार बना है। आपको हाल

की वारदातों की गंभीरता से अवगत कराने का प्रयास करते हैं । इसी अगस्त माह में ही फरीदाबाद में अमित नाम का एक 21 वर्षीय युवक बिना नंबर की बाइसा से एक स्कूल परिसर में घुसा। उसने खुद को संध्या नाम की लड़की का पति बताकर उसे क्लास से बाहर बुलाया और फिर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। कर्नाटक मंगलुरु जुलाई 2026 में 21 वर्षीय लावण्या की एकतरफा प्रेमी द्वारा बस से पीछा करके चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई, क्योंकि उसने प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया था।हरियाणा के मोहाली में जून 2026 में डिंपल नामक युवती की उसके पूर्व प्रेमी ने ब्रेकअप से परेशान होकर उसके ऑफिस के अंदर चाकू मारकर हत्या कर दी। केंद्र शासित राज्य चंडीगढ़ में भी फरवरी 2026 में 23 वर्षीय युवती द्वारा शادی से इनकार करने पर उसके गले पर चाकू मारकर बेरहमी से मर्डर कर दिया गया। बोती 30 जुलाई को दिल्ली के केशव पुरम इलाके में गोलियों की आवाज से सनसनी मच गई। एक युवक ने अपनी गर्लफ्रेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद युवक फरार हो गया। पुलिस ने खून से लथपथ शव बरामद किया। 17 जुलाई को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ा जिले के बांटवाल इलाके में एक युवती की धातुर हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक युवती की पहचान काव्यापाडावु के पास कोडो की रहने वाली 21

साल की लावण्या के तौर पर हुई है, लावण्या और चेतन दूर के रिश्तेदार बताए जाते हैं और ऐसा कहा जा रहा है कि चेतन, लावण्या से एक तफा प्यार करता था। लावण्या ने उसका प्रेम प्रस्ताव ठुकरा दिया, जिससे चेतन बेहद नाराज हो गया। फिर, कुछ देर बाद चेतन ने अपने बग से बड़ा चाकू निकाल जबरदस्त हमला कर दिया उसपर जानलेवा वार किए। उसकी मौत हो गई। 3 जुलाई हरियाणा के गुरुग्राम जिले में एक प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को जिंदा जलाकर हत्या कर दी। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि उसे अपने प्रेमी के शادیशुदा होने का सच पता चल गया था। जून माह में मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक सनकी प्रेमी ने कंयूरट ऑपरेटर युवती को बीच रास्ते में रोका और मात्र 13 सेकंड के भीतर उस पर चाकू से 15 बार बार किए। हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था 6 जून उत्तर प्रदेश कि राजधानी लखनऊ में बोते दिनों एक बीटेक छात्रा की हत्या कर दी गई थी. इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी. इसके बाद छात्रा का शव जंगल से बरामद किया गया। 12 जून शिवपुरी जिले से जुड़े एक सनसनीखेज घटनाक्रम में पुलिस द्वारा प्रोते युगल को गुजरात से बरामद कर वापस लाते समय एक होटल में युवती के सिरफिरे आशिक ने पुलिस अभिरक्षा में ही प्रेमिका की हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद उसने सुसाइड की भी कोशिश की।

12 मई को यूपी के कानपुर में सिरफिरे आशिक का आतंक देखने को मिला. आरोपी ने पहले प्रेमिका का गला काट कर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद खुद फांसी लगा ली. जनवरी 2026 में झांसी में एक बेहद खौफनाक ब्लू बॉक्स मर्डर केस सामने आया. यहाँ पहले से शादीशुदा एक शख्स ने अपनी लिंव-इन पार्टनर की हत्या कर दी। उसने सबूत मिटाने के लिए प्रेमिका के शव के टुकड़े किए और उन्हें कई दिनों तक घर के अंदर ही जलाता रहा। बची हुई हड्डियों की राख को एक नीले बक्से में भरकर नदी में बहाने की कोशिश के दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया। जून 2025 में दिल्ली की जहांगीरपुरी इलाके की रहने वाली 18 वर्षीय मकम जैन की उसके दोस्त हसप्रोत ने संजय वन के सुनसान इलाके में ले जाकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी। आरोपी लड़की के फोन और निजी जीवन पर अत्यधिक नियंत्रण रखता था। 1।आपको बता दें कि अक्सर अपराधी महिलाओं को अपनी संपत्ति या वस्तु समझने की भूल कर बैठते हैं। जब महिलाएं अपनी सहमति नहीं देती या रिश्ता खतम ब्रेकअप करना चाहती हैं, तो अपराधी इसे अपने अहंकार पर चोट मान लेते हैं और बदले की भावना से हिंसा का रास्ता चुनते हैं।वही कुछ सिरफिरे मानसिक विकृति और हिंसक सनक ऐसी घटनाओं को अंजाम देने वाले लोग गंभीर मानसिक असुरक्षा और सनक से ग्रस्त होते है। वे प्यार और जबरदस्ती के बीच का अंतर नहीं समझते। उनके लिए जिसे वे प्यार कहते हैं,

वह असल में नियंत्रण और मालिकाना हक जताने की सनक होती है। सामाजिक और पारिवारिक परवरिश में कमी समाज और परिवारों में अक्सर लड़कियों को भावनाओं को सही तरीके से संभालना, हार या रिजेक्शन को स्वीकार करना और महिलाओं के फैसलों का सम्मान करना नहीं सिखाया जाता। भावनात्मक बुद्धिमत्ता की कमी युवाओं को बातचीत के बजाय हिंसा की ओर धकेलती है। कड़े कानूनों के बावजूद जागरूकता और सुरक्षा का अभाव हालांकि ऐसे मामलों में पुलिस तुरंत कानूनी कार्रवाई करती है, लेकिन सुरक्षात्मक उपायों, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और सामाजिक जागरूकता की कमी के कारण महिलाएं अक्सर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती हैं। सरकार को बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के स्तोत्रान को सार्थक करने के लिए ऐसी वारदातों पर गंभीर अध्ययन शोध कर कानूनी सख्ती करनी चाहिए ताकि ऐसी अपराधिक मानसिकता से ग्रस्त शोहदे किसी वारदात को अंजाम देने से पहले सो बार सोचें। वही स्कूली शिक्षा में इस तरह के कथित प्यार आकर्षण और उसके परिणाम के प्रति जागरूक करने वाले पाठ्यक्रम जिनमें लड़का लड़की लैंगिक समानता व लड़की या प्रेमिका पर अधिकार और नियंत्रण की सीमाओं और इस तरह की मालिकाना मानसिकता को पनपने से रोकने वाला व्यवहारिक नजरिया समझाना चाहिए। सिर्फ कानून से इन वारदातों को पूरी तहद से नहीं रोका जा सकता है इस के लिए जागरूकता अभियान जरूरी है।

क्या किसी बेगुनाह लड़की की प्यार के

इज़हार को स्वीकार नही करने पर जान लेना प्यार हो सकता है? यह तो निरी जबरदस्ती और निहायत दादगिरी का अराजक व्यवहार है ।आए दिन शोहदे अपने इज़हार को इंकार मिलने पर मासूम लड़कियों का कत्ल कर रहे हैं देश की राजधानी नई दिल्ली में ही जहां कानून व्यवस्था सख्त मानी जाती है पिछले कुछ समय में दर्जनों ऐसी वारदात हुई है आखिर यह सब क्या है? एकतरफा प्यार, शادی से इनकार या ब्रेकअप के बाद लड़कियों युवतियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और हत्याएं एक गंभीर सामाजिक समस्या हैं, जिते केवल आशिकी या दीवानगी का नाम देकर कम नहीं आंका जा सकता है। इस प्रकार के अपराधों के पीछे गहरी मानसिक विकृति, हिंसक मानसिकता और सामाजिक कमियां जिम्मेदार होती हैं।हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसे कई मामले सामने आए हैं जो इस गंभीर स्थिति को दर्शाते हैं।हाल ही में इसी तरह की एक रूढ़ कथा देने वाली वारदात को अंजाम दिया गया है।

तरईया नदी का पुल क्षतिग्रस्त, प्रशासन ने आवागमन पर लगाई रोक

सुरक्षा के चलते पैदल यात्रियों समेत सभी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित, दोपहिया और एम्बुलेंस के लिए 24 किमी का वैकल्पिक मार्ग तय



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कोटाडोल- कमर्जी मुख्य मार्ग पर कोटाडोल से करीब 300 मीटर की दूरी पर स्थित तरईया नदी का पुल वर्षा के दौरान 30 अगस्त को क्षतिग्रस्त हो गया पुल की स्थिति को देखते हुए दुर्घटना की आशंका बनी हुई है इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर पुल से पैदल यात्रियों सहित सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है यह

प्रतिबंध 30 अगस्त से 7 सितंबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। परिस्थितियों में पहले बदलाव होने पर आदेश में संशोधन किया जा सकेगा।
दोपहिया और एम्बुलेंस के लिए वैकल्पिक मार्ग: प्रशासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार जनकपुर की तरफ से आने वाले पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों को ग्राम बरौता से ग्राम नेरूवा, ग्राम रजरवल होते हुए खिरकी वन

विभाग बैरियर तक जाने वाले वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करना होगा यह वैकल्पिक रास्ता कुछ हिस्सों में कच्चा है, इसलिए लोगों को सावधानीपूर्वक आवागमन करने की सलाह दी गई है वहीं कमर्जी की ओर से आने वाले पैदल यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए खिरकी वन विभाग बैरियर से विपरीत दिशा में बरौता मुख्य मार्ग तक पहुंचने का रास्ता निर्धारित किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट

किया है कि यह वैकल्पिक मार्ग केवल पैदल यात्रियों, दोपहिया वाहनों और एम्बुलेंस के आवागमन के लिए निर्धारित है अन्य वाहनों को इस मार्ग से आवागमन की अनुमति नहीं होगी।

17 किलोमीटर की जगह तय करना होगा 24 किमी सफर: पुल पर आवागमन बंद होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को अब कोटाडोल से कमर्जी पहुंचने के लिए अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। सामान्य परिस्थितियों में दोनों स्थानों के बीच दूरी करीब 17 किलोमीटर है, लेकिन वैकल्पिक मार्ग के इस्तेमाल से यह दूरी बढ़कर लगभग 24 किलोमीटर हो जाएगी बारिश के मौसम में कच्चे हिस्सों से होकर गुजरने वाले यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होगी।

भारी वाहनों के लिए मरम्मत के बाद खुलेगा पुल: प्रशासन ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के माध्यम से पुल की मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। मरम्मत



के बाद पैदल यात्रियों, दोपहिया वाहनों और हल्के चार पहिया वाहनों के लिए पुल को 5 सितंबर 2026, शनिवार तक खोलने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि वर्तमान में तरईया नदी में जलस्तर अधिक होने के कारण भारी वाहनों की आवाजाही शुरू करने में समय लगेगा बस, ट्रक और अन्य भारी चारपहिया वाहनों के लिए आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा कर 1 अक्टूबर 2026 से पहले पुल को पूरी तरह खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की चेतावनी: प्रशासन ने लोगों से प्रतिबंधित

पुल पर आवागमन न करने की अपील की है। आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही मोटर यान अधिनियम, 1988 की संबंधित धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पुल की सुरक्षा स्थिति सामान्य होने और मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद ही सभी प्रकार के वाहनों के लिए आवागमन बहाल किया जाएगा तब तक लोगों से निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का ही उपयोग करने की अपील की गई है।

जिले में अब तक 1011.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज, कोटाडोल में सबसे अधिक बारिश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। (एमसीबी) जिले में इस वर्ष मानसून के दौरान अब तक अच्छी बारिश दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से 31 अगस्त 2026 तक 1011.2 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। लगातार हुई बारिश से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा का आंकड़ा एक हजार मिलीमीटर के आसपास या उससे अधिक पहुंच गया है कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में 1 जून से अब तक सबसे अधिक वर्षा कोटाडोल तहसील में 1411.4 मिमी दर्ज की गई है। वहीं सबसे कम वर्षा खड़गवां तहसील में 720.4 मिमी रिकॉर्ड की गई है तहसीलवार वर्षा के आंकड़ों में काफी अंतर देखने को मिला है। आंकड़ों के अनुसार मनेन्द्रगढ़ तहसील में 1013.9 मिमी, चिरमिरी में 947.9 मिमी,

केल्हारी में 807.6 मिमी, भरतपुर में 1166.0 मिमी तथा कोटाडोल में 1411.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है जिले के औसत वर्षा आंकड़े से स्पष्ट है कि इस मानसून सीजन में अलग-अलग तहसीलों में बारिश की स्थिति अलग रही है कोटाडोल में जिले की अन्य तहसीलों की तुलना में सबसे अधिक वर्षा दर्ज हुई है जबकि खड़गवां में बारिश का आंकड़ा सबसे कम रहा लगातार हो रही बारिश के चलते जिले के नदी-नालों और जलस्रोतों में जलस्तर बढ़ने की स्थिति भी बनी हुई है प्रशासन द्वारा वर्षा और जलस्तर की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है विशेष रूप से अधिक वर्षा वाले क्षेत्रों में लोगों को नदी-नालों के आसपास सावधानी बरतने तथा जलभराव वाले स्थानों पर अनावश्यक आवागमन से बचने की सलाह दी जा रही है।

मत्स्य विभाग की योजना और तकनीकी मार्गदर्शन से शुरू किया मछली पालन, अब आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही कामिनी

एक हेक्टेयर के तालाब ने बदली कामिनी की जिंदगी, वैज्ञानिक मत्स्य पालन से सालाना 2 लाख रुपये का मुनाफा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मेहनत के साथ यदि सही तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन मिल जाए तो सीमित संसाधनों से भी आय का बेहतर साधन तैयार किया जा सकता है। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के खोंगापानी की मत्स्य कृषक कामिनी रोहितिया ने इसे अपनी मेहनत और लगन से साबित किया है। वर्ष 2022 में मत्स्य विभाग के सहयोग से लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब में वैज्ञानिक पद्धति से मत्स्य पालन शुरू करने वाली कामिनी आज इससे करीब 2 लाख रुपये का वार्षिक लाभ अर्जित कर रही हैं।

कृषि के साथ शुरू किया मत्स्य पालन: मत्स्य पालन शुरू करने से पहले कामिनी मुख्य रूप से कृषि कार्य पर निर्भर थीं। खेती में मेहनत



अधिक होने के बावजूद आमदनी सीमित थी। इसी दौरान उन्होंने मत्स्य पालन को अतिरिक्त आय के साधन के रूप में अपनाने का निर्णय लिया वर्ष 2022 में मत्स्य विभाग की नवीन तालाब निर्माण योजना के अंतर्गत उन्हें लगभग एक हेक्टेयर क्षेत्रफल के तालाब का लाभ मिला तालाब उपलब्ध होने के बाद कामिनी ने इसका उपयोग वैज्ञानिक तरीके से

वैज्ञानिक प्रबंधन से बढ़ा उत्पादन: कामिनी मत्स्य पालन में नियमित रूप से तालाब की निगरानी करती हैं मछलियों के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने के साथ पानी की गुणवत्ता पर भी ध्यान दिया जाता है। विभागीय प्रशिक्षण में मिली जानकारी के आधार पर वे तालाब में मछलियों की वृद्धि, स्वास्थ्य और देखभाल की नियमित निगरानी करती हैं मछलियों में संभावित बीमारियों की पहचान और उनकी रोकथाम के संबंध में भी कामिनी को प्रशिक्षण मिला है। वैज्ञानिक पद्धति से तालाब का प्रबंधन करने का परिणाम उत्पादन और आय में देखने को मिला वर्तमान में लगभग एक हेक्टेयर तालाब से उन्हें मत्स्य पालन के माध्यम से करीब 2 लाख रुपये प्रतिवर्ष का लाभ प्राप्त हो रहा है।

'युवा उड़ान 2026' से विकास की नीतियों में युवाओं की होगी भागीदारी

31 अगस्त से प्रदेशभर में कार्यक्रमों का आगाज, 16 से 24 वर्ष के करीब एक हजार युवा होंगे शामिल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रदेश के युवाओं को 'विकसित भारत2047' और 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले सहित प्रदेश के सभी जिलों में युवाओं की भागीदारी से कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य स्तरीय शुभारंभ 31 अगस्त को

बीजापुर जिले से किया जाएगा छत्तीसगढ़ शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं इसके बाद छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में जिलों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

विभिन्न क्षेत्रों के युवा होंगे शामिल: 'युवा उड़ान 2026' में 16 से 24 वर्ष आयु वर्ग के करीब 1,000 युवाओंकी सहभागिता का लक्ष्य रखा गया

है कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 11वीं के मेधावी विद्यार्थियों के साथ महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं, प्रावीण्य छात्र, कला-साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े युवा और खेल अकादमियों के प्रशिक्षणार्थी शामिल होंगे। इसके अलावा ऋक्ष और श्रृतऋक्ष जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं, इंजीनियरिंग, मेडिकल, कृषि, पॉलिटेक्निक और ITI के विद्यार्थियों को भी मंच दिया जाएगा। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, सामाजिक

कार्यकर्ता, कौशल विकास प्रशिक्षणार्थी, छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी, दिव्यांगजन और आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली युवाओं की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी।

योजनाओं और विकास पर होगा संवाद:कार्यक्रम कुल अवधि 2 घंटे 10 मिनटनिर्धारित की गई है। इसमें करीब 1 घंटे 30 मिनट विषय विशेषों के लिए तथा 40 मिनट युवाओं के साथ संवाद, प्रश्नोत्तर और सुझाव के लिए निर्धारित रहेंगे।

शिवपुरी में युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

पत्नी के कथित प्रेमी पर मारपीट और जहर देने का आरोप, अस्पताल में इलाज के दौरान युवक ने दम तोड़ा



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है युवक की मौत के बाद परिजनों ने उसकी पत्नी के कथित प्रेमी पर गंभीर आरोप लगाए हैं

परिजनों का कहना है कि युवक के साथ मारपीट की गई और उसे कथित रूप से जहरीला पदार्थ दिया गया, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई अस्पताल में उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया परिजनों के आरोपों के बाद मामले को लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। पुलिस ने युवक की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मौत संदिग्ध परिस्थितियों में होने के कारण पोस्टमॉर्टम और अन्य जांच के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी बताया जा रहा है कि युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन उसे उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे थे हालत गंभीर होने पर उसका इलाज किया जा रहा था,

लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी युवक की मौत के बाद परिजनों ने पत्नी के कथित प्रेमी पर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है उनका दावा है कि विवाद के दौरान युवक के साथ मारपीट की गई और बाद में उसे जहर दिया गया हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है पुलिस का कहना है कि मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा पुलिस संबंधित लोगों से पूछताछ करने के साथ घटनाक्रम की भी जानकारी जुटा रही है।

पुलिस मुख्यालय परिवार ने छह सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दी भावभीनी विदाई

डीजीपी कैलाश मकवाना ने स्मृति चिह्न और पौधे भेंट कर किया सम्मानित

भोपाल। पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं से अगस्त माह में सेवानिवृत्त हुए छह कर्मचारियों के सम्मान में सोमवार को भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। नवीन पुलिस मुख्यालय भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की पुलिस महानिदेशक ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पौधे एवं स्मृति चिह्न भेंट किए। इस अवसर पर उनके विभिन्न स्वत्व (क्लेम) भुगतान से संबंधित आदेश भी प्रदान किए गए अधिकारियों ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सेवाकाल के दौरान

किए गए कार्यों और योगदान की सरहना की समारोह में विशेष प्रशिक्षण महानिदेशक पंजब वास्तव, अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सोलोमन यश कुमार मिंज सहित पुलिस मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

छह कर्मचारियों का हुआ सम्मान: पुलिस मुख्यालय की ओर से अगस्त माह में सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों में उप निरीक्षक (अ.अ.वि.) शाखा विनोद कुमार सिंह, उप निरीक्षक महिला सुरक्षा शाखा अशोक सिंह सेगर, उप निरीक्षक (एम) अ.अ.वि. शाखा मती कांता ठाकुर, उप निरीक्षक (एम) विशेष शाखा मधु झारिया, सहायक उप निरीक्षक (एमटी) विशेष शाखा युवराज बोरेसे तथा आरक्षक (एम) योजना शाखा मोहम्मद शकील शामिल रहे।

मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र) ।
मंदसौर-सोतामऊ रोड पर अनरिया निजामुद्दीन के पास सोमली नदी की पुलिया के पास सोमवार सुबह सरसों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में ट्रक ड्राइवर घायल हो गया, जिसके हाथ में फ्रैक्चर बतया जा रहा है। गनीमत यह कि ट्रक नदी में गिरने से कुछ फीट पहले ही पलट गया। पुलिस के अनुसार, ट्रक क्रमांक RJ 09 GF 2390 सरसों से भरा था और चोमेला सरसों से नीमच की ओर जा रहा था। अनरिया निजामुद्दीन के पास सोमली नदी की पुलिया के पास अचानक ट्रक अनियंत्रित हो गया। इसके बाद वह सड़क किनारे पलट गया, जिससे उसमें भरे सरसों के कट्टे सड़क पर बिखर गए। यह हादसा सोमली नदी की पुलिया के बिल्कुल नजदीक हुआ। बताया गया है कि ट्रक नदी से महज कुछ फीट की दूरी पर पलटा। ट्रक कुछ फीट और आगे चला जाता, तो वह नदी में गिर सकता था।
ट्रक ड्राइवर के हाथ में फ्रैक्चर:
हादसे में ट्रक ड्राइवर हुकुमचंद पिता खेमराज (30), निवासी कोटा घायल हो गए। उनके हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही नई आबादी थाना पुलिस को डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल ड्राइवर को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनको इलाज हुआ। हादसे में अन्य किसी के घायल होने या जहनानि की कोई सूचना नहीं है। नई आबादी थाना प्रभारी कुलदेव सिंह राठौर ने बताया कि ट्रक पलटने के बाद मौके पर सरसों के कट्टे बिखर गए।



मीडिया ऑडिटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हथवास गांव में एक युवक को 6.47 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से स्मैक के 1500 रुपए नकद और बुलेट मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएएक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया।

मुखर्बिर् की सूचना पर कार्गवई: थाना पभारी आदित्य सेन ने बताया की पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस के निदेश और एस्डीओपी मोहित कुमार के मार्गदर्शन में अवैध नशे के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। रिविवार शाम मुखर्बिर् से सूचना मिली थी कि हव्वास में हनुमान मंदिर के पीछे राजा साहू नाम का युवक स्मैक बेच रहा है। सूचना के बाद उपनिरीक्षक अमित भादुराज के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। टीम ने बुलेट से पहुंचे सस्टिफ राज साहू को रोकरक तलाशी ली। उसके पास लास्टिक की पन्नी में 6.47 ग्राम स्मैक मिली। पुलिस ने 1500 रुपए नकद और रॉयल एनफील्ड बुलेट क्रमांक MP 38 MP 8720 भी जप्त की।

युलिस के अनुसार, जब्त स्मैक की कीमत करीब 60 हजार रुपए है, जबकि बाइक, नकदी और अन्य मादक पदार्थ समेत कुल जब्त सामान की कीमत करीब 2 लाख 41 हजार 500 रुपए बताई गई है। आरोपी पूर्व में स्टेशन रोड थाना क्षेत्र में भी स्मैक बेचने के आरोप में गिरफ्तार हो चुका है। कार्रवाई में उपनिरीक्षक अमित भारद्वाज के साथ प्रधान आरोक्षक उपेंद्र दुबे, शिवम वर्मा, मोहसिन ब्राउन, गुरुप्रसाद पवार, अरुण जुदेद, अमरदास कलम, पूनम चौधरी सहित आरक्षक प्रतीक साहू, प्रदीप सोनी, राधेश्याम और हेमंत पटेल की भूमिका रही।



जांच से ढाबा संचालकों में हड़कंप मच गया। सबसे बड़ी बात यह रही कि संबंधित थाना क्षेत्र को सूचना बगैर एएसपी राकेश पट्टे ने टीम के साथ छपेमार कार्रवाई की। एएसपी राकेश पट्टे व पुलिस टीम ने थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत सैलाना रोड,

ढाबों पर हर एक चीज की तलाशी ली गई। सेजावता बायपास पर मां भद्रकाली ढाबा के फ्रीज में अवैध रूप से बड़ी मात्रा में बीयर की केन व देशी शराब के क्वार्टर मिले। ढाबा संचालक से पूछताछ की तो वह कुछ नहीं बोल पाया। शराब को पुलिस ने जन्ती में लिया।

शराब पीते मिले लोग: इसके अलावा कॉर्पोरेट दबाव की ओर खुले में टेबल-कुर्सी कागिरि दबाई थी। वहाँ पर लोग बैकसर कुर्सी पर रहे थे। दबावे पर शराब की खाली बोतलें अलग-अलग ढेर में पड़ी मिली। इसके अलावा तीन अन्य दबावों पर जांच की गई। आकस्मिक जांच में स्टेशन रोड थाने के सालाखेड़ी चौकी प्रभारी विजय बामनिया व अन्य शामिल थे। जबकि संबंधित औद्योगिक थाना क्षेत्र से किसी को भी साथ नहीं लिया जा। एएसपी गतिशर पटेल ने बताया कि सदियथ व अनेध गतिविधियों पर नजर बनाए रखने को लेकर रात में दबावों पर आकस्मिक जांच की गई है। संबंधित दबावा संचालकों पर कार्रवाई की जा रही है।



कम बारिश का असर तवा डैम के जलस्तर पर भी दिखाई दे रहा है। तवा डैम का अधिकतम जलस्तर 1166 फीट है, जबकि वर्तमान में जलस्तर 1153.90 फीट है। यानी डैम अपने अधिकतम जलस्तर से 12.1 फीट नीचे है। 31 अगस्त तक तवा डैम का गवर्निंग लेवल 1162 फीट निर्धारित वर्तमान जलस्तर 1153.90 फीट होने के कारण तवा डैम गवर्निंग लेवल से भी 8.1 फीट नीचे अब तक तवा डैम अपने गवर्निंग लेवल तक पहुंच पाया है।

मौसमविद् वीएस यदव के अनुसार, अगले दो दिनों में जिले में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, 3 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जताई गई है। बांगल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र और पश्चिमी विश्वोष्ण के प्रभाव से इस सप्ताह बारिश की स्थिति बनी रहने की संभावना है। सोमवार सुबह से जिले में बादल छाए हुए हैं। 1 जून से 31 अगस्त तक जिले में सबसे ज्यादा बारिश पचमढ़ी में करीब 40 इंच दर्ज हुई है।

कम बारिश के चलते जिले में जहां सामान्य जनजीवन पर असर पड़ रहा है, वहीं तवा डैम के जलस्तर पर भी इसका प्रभाव दिखाई दे रहा है। अब आने वाले दिनों में होने वाली बारिश पर डैम के जलस्तर और जिले की मौसमी स्थिति काफी हद तक निर्भर करेगी।

मीडिया आँधीर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के शासकीय आदर्श गुरुसंस्थान में छात्रों को पढ़ाई के साथ स्वास्थ्य और फिटनेस की सुविधा भी मिलेगी। स्कूल परिसर में ओपन जिम तैयार किया जा रहा है। इसमें 12 अलग-अलग एक्सरसाइज मशीनें लगाई जा रही हैं। छात्रों स्कूल समय से पहले या बाद में इन मशीनों का इस्तेमाल कर सकेंगी। स्कूल के प्राचार्य राजेश बाथम ने बताया कि सांची विद्यालय डॉ. प्रभुराम चौधरी के प्रयासों से ओपन जिम की मशीनें निसुलक उपलब्ध करवाई गई हैं। फिलहाल इन्हें स्कूल परिसर में लगाने का काम चल रहा है।



राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी स्कूल में मध्याह्न भोजन करने पहुंचे थे। छात्राओं की संख्या और कक्षा की कमी

युवक मीक से फरार हो गया, जबकि पुलिस ने कादसा निवासी हरिशंकर उर्फ जोकर को पकड़ लिया।

साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब,

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया



नई दिल्ली,एजेसी। : साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (इएलएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अहम जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन

टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने

निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठेके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार

गेंदबाजी- साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई। दिवांश रावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर 3 विकेट झटके। विजन पंचाल को दो विकेट मिले, जबकि अंकित डाबास, प्राशु विजयरण और अंशुमान हुड्डा ने एक-एक बल्लेबाज को पवेलियन भेजा। गेंदबाजों के इस प्रदर्शन ने साउथ दिल्ली को मुकाबले में मजबूत स्थिति में रखा।

अनमोल शर्मा ने रखी जीत की नींव- 183 रन के लक्ष्य का पीछा करने

उतरी साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज को अनमोल शर्मा ने शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने 42 गेंदों में 64 रन की पारी खेली, जिसमें छह चौके और तीन छक्के शामिल रहे। अनमोल ने शुरुआत से ही रनरेट को बनाए रखा और लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत नींव तैयार की। उनके आउट होने के बाद भी साउथ दिल्ली की बल्लेबाजी की रफ्तार कम नहीं हुई।

अंकित डाबास ने खेली मैच विनिंग पारी-अनमोल शर्मा के बाद अंकित डाबास ने मोर्चा संभाला और शानदार नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को खिताब के करीब पहुंचाया। उन्होंने सिर्फ 33 गेंदों में नाबाद 61 रन बनाए। उनकी पारी में पांच चौके और चार छक्के शामिल रहे। कप्तान तेजस्वी दहिया ने भी 18 गेंदों में 33 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, एकांश डोभाल ने 3 गेंदों में नाबाद 7 रन बनाकर छक्का लगाते हुए साउथ दिल्ली को यादगार जीत दिलाई।

18.2 ओवर में हासिल किया लक्ष्य- साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने लगातार तेज रन बनाते हुए 18.2 ओवर में 186/3 का स्कोर बना दिया और मुकाबला 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। टीम ने पूरे रन चेज के दौरान जरूरी रनरेट पर दबाव नहीं आने दिया। इस शानदार जीत के साथ साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने इएलएल 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल में टीम के बल्लेबाजों का प्रदर्शन उसकी खिताबी जीत का सबसे बड़ा कारण रहा।

सुविधाओं पर विवाद के बीच OCA का बड़ा बयान

‘तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं’



नई दिल्ली,एजेसी। एशियन गेम्स 2026 का आयोजन जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होना है। खेलों के शुरू होने से पहले खिलाड़ियों और अधिकारियों के ठहरने की सुविधाओं को लेकर सवाल उठे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि करीब 17 हजार खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए पर्याप्त कमरों की व्यवस्था को लेकर आयोजकों के सामने चुनौती है।इन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (OCA) ने स्थिति स्पष्ट करते हुए इन्हें खारिज किया है। OCA ने कहा कि सभी पंजीकृत खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए उचित आवास की व्यवस्था की जा चुकी है।

हफ्ते ने जारी किया आधिकारिक बयान-OCA और ichi-Nagoya Asian Games Organising Committee (AINAGOC) ने अपने संयुक्त बयान में कहा, ‘एशियन गेम्स के आधिकारिक प्रतिभागियों के लिए आवास की व्यवस्था को लेकर आई गलत मीडिया रिपोर्ट्स के संबंध में OCA और AINAGOC यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि जुलाई में एंटी बाय नेम की समय सीमा समाप्त होने से पहले पंजीकृत किए गए सभी 17,000 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए खेलों के अनुरूप आवास उपलब्ध कराया गया है।’ काउंसिल ने यह भी स्पष्ट किया कि असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर अब किसी नए प्रतिभागी का पंजीकरण नहीं किया जाएगा।OCA के मुताबिक, खेलों की तैयारियां तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। ‘तैयारियां सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं’-OCA ने अपने बयान में आगे कहा, ‘असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी अतिरिक्त पंजीकरण की अनुमति नहीं दी गई है और न ही दी जाएगी। अंतिम तैयारियां सही दिशा में हैं और सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। यह एशियन गेम्स की पीढ़ियों में सबसे शानदार प्रतियोगिताओं में से एक होने जा रहा है।’ आयोजकों ने भरोसा जताया कि प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर की गई व्यवस्थाओं के चलते आवास से जुड़ी सभी जरूरतों को बिना किसी परेशानी के पूरा किया जा सकेगा। 15 हजार से बढ़कर 17 हजार हुई प्रतिभागियों की संख्या शुरुआत में आइची-नागोया एशियन गेम्स में करीब 15 हजार खिलाड़ियों और अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद थी।

कास्पारोव और टोपालोव फिर आमने-सामने, 1.44 लाख डॉलर के मुकाबले में होगी टक्कर

सेंट लुईस, अमेरिका ,एजेसी। शतरंज की दुनिया के दो दिग्गज और पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्पारोव और वेसलीन टोपोलोव एक बार फिर आमने-सामने होने जा रहे हैं। दोनों के बीच 1,44,000 डॉलर की इनामी राशि वाला फ्रीस्टाइल मुकाबला सेंट लुईस में 11 से 13 सितंबर तक खेला जाएगा।यह मुकाबला क्लच लीजेंड्स के तहत आयोजित होगा और इसमें तीन दिनों में कुल 12 बाजियां खेली जाएंगी। कास्पारोव और टोपोलोव के बीच यह मुकाबला खास इसलिए भी है क्योंकि दोनों के बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता का इतिहास बेहद दिलचस्प रहा है।

कास्पारोव और टोपलॉव प्रत्येक दिन



चार बाजियां खेलेंगे। रोजाना दो रैपिड और दो ब्लिट्ज मुकाबले होंगे। यह पूरा मैच फ्री स्टाइल जिसे फिशर रैंडम भी कहा जाता है इसमें खेला जाता है, हर दिन के लिए शुरुआती स्थिति अलग होगी। यानी खिलाड़ियों को पारंपरिक शुरुआती पोजिशन और ओपनिंग थ्योरी के बजाय शुरुआत से ही अपनी गणना और रणनीतिक समझ पर निर्भर रहना होगा। कास्पारोव की उम्र 63 वर्ष है, जबकि टोपोलोव 51 वर्ष के हैं। इस मुकाबले में सबसे दिलचस्प पहलू दोनों खिलाड़ियों का इतिहास है। टोपोलोव ने कास्पारोव के करियर की आखिरी चार ऑलआउट हो गई।शैफाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा व नंदनी शर्मा की शानदार गेंदबाजी का अहम योगदान रहा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 159/9 रन बनाए, जिसके जवाब में थाईलैंड की पूरी टीम 16.1 ओवर में महज 65 रन पर ऑलआउट हो गई।शैफाली वर्मा ने मचाई तबाही

था। कास्पारोव पहले ही टूर्नामेंट जीत चुके थे और अंतिम दौर में काले मोहरों से स्ट्रॉलर जिसे फिशर रैंडम भी कहा जाता है केवल 30 चालों में जीत दर्ज की थी। इसके कुछ ही समय बाद कास्पारोव ने पेशेवर शतरंज से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उन्होंने निर्णायक बहुत दो बाजियां बाकी रहते हासिल कर ली थी। हालांकि आनंद ने अंतिम दो ब्लिट्ज बाजियां जीतकर स्कोर को कुछ करीबी बनाया था। मैच के विजेता को 70,000 डॉलर, जबकि उपविजेता को 50,000 डॉलर मिलेंगे।

इंग्लैंड की शानदार गेंदबाजी , पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में हराकर सीरीज में अजय बढ़त हासिल की



लंदन ,एजेसी। ऑली रॉबिन्सन (चार विकेट), जोश टंग (तीन विकेट) और जोफ्रा आर्चर (दो विकेट) की धातक गेंदबाजी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट के चौथे दिन रविवार को दूसरी पारी में 194 रन पर ढेरकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली।

आज खेल शुरू होते ही नतीजा तय था, लेकिन पाकिस्तान को अपनी भलाई के लिए कुछ दिखाना था। बैटिंग पूरे दूर में खराब रही है और बदकिस्मती से आज भी कुछ बेहतर नहीं हुआ। सीरीज बराबर करने के लिए 389 रन का टारगेट

मिलने पर कुछ ही देर में स्कोर 14/3 हो गया। सऊद शकील का समय खराब रहा है और इस सीरीज में उनकी कुछ टेक्निकल कमजोरियां सामने आई थीं, लेकिन वह अपनी छाप छोड़ने के लिए पक्के इरादे से उतरे। उन्होंने शान मसूद के साथ चौथे विकेट के लिए 97 रन की पार्टनरशिप में दबदबा बनाया और फिर टेल के साथ अपना बल्ला चलाना शुरू कर दिया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आजादी से खेला और ऐसा लगा कि उन्हें शॉर्ट बॉल खेलने में मजा आ रहा है, जब तक कि वह 97 रन पर शॉर्ट बॉल पर आउट नहीं हो

गए। बदकिस्मती से पाकिस्तान के लिए उनका स्कोर टीम के टोटल का 50 प्रतिशत था क्योंकि बाकी रन इधर-उधर हो गए। इमाम-उल-हक ने एक बार फिर बैटिंग नहीं की और सब कुछ साफ हो गया था। ओली रॉबिन्सन ने 4 विकेट लेकर कमाल कर दिया, टंग ने आखिरी ओवरों में तीन विकेट लिए, जबकि आर्चर ने 2 विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने कल के सात विकेट पर 177 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी दूसरी पारी 208 रन पर समाप्त हुई। इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने 389 रन का लक्ष्य रखा था।

शैफाली-दीप्ति-नंदनी का कमाल, भारत ने थाईलैंड को 94 रन से रौंदा

दुबई,एजेसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2026 के अपने अभियान का शानदार आगाज किया है। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने थाईलैंड को 94 रन से करारी शिकस्त दी। भारत की जीत में शैफाली वर्मा की विस्फोटक बल्लेबाजी और दीप्ति शर्मा व नंदनी शर्मा की शानदार गेंदबाजी का अहम योगदान रहा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 159/9 रन बनाए, जिसके जवाब में थाईलैंड की पूरी टीम 16.1 ओवर में महज 65 रन पर ऑलआउट हो गई।शैफाली वर्मा ने मचाई तबाही



रहीं प्रतिका रावल ने 18 गेंदों में 22 रन की उपयोगी पारी खेली। प्रतिका ने जेमिमा रोड्रिग्स की गैरमौजूदगी में टीम में जगह बनाई थी।

बीच के ओवरों में लड़खड़ाई भारतीय पारी- और मंधाना की शुरुआत के बाद भारत को बीच के ओवरों में कुछ झटके लगे। कप्तान हरमनप्रीत कौर सिर्फ 5 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि ऋचा घोष खाता भी नहीं खोल सकीं। थाईलैंड की रिसन सुलेपर्न लामि ने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करते हुए 26 रन देकर 3 विकेट हासिल किए।

इसके बावजूद भारत ने निचले क्रम में मिले उपयोगी योगदान की बदौलत बड़ा स्कोर

खड़ा किया। क्रांति गौड़ ने 15 रन और भारती फूलमाली ने 13 रन की पारियां खेलीं। थाईलैंड की ओर से सुनिदा चतुरंगरताना ने 2 विकेट लिए। भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 159/9 का स्कोर बनाया और थाईलैंड के सामने 160 रन का लक्ष्य रखा।

भारतीय स्पिनरों के सामने थाईलैंड की बल्लेबाजी ढेर- 160 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी थाईलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। भारतीय गेंदबाजों ने पावरप्ले से ही दबाव बना दिया और थाईलैंड ने शुरुआती ओवरों में लगातार विकेट गंवाए। क्रांति गौड़ ने 1 विकेट लिया, जबकि श्री चरणी ने 2 विकेट चटकाकर थाईलैंड की मुश्किलें बढ़ा दीं।

जोकोविच को हराने के बाद नवोने का बड़ा बयान, बोले- ‘यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा दिन’

न्यूयॉर्क,एजेसी। US Open 2026 के पुरुष सिंगल्स के पहले दौर में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। अर्जेंटीना के गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी मारियानो नवोने ने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच को पांच सेट तक चले मुकाबले में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। आर्थर एश स्ट्रेडियम में खेले गए मुकाबले में नवोने ने जोकोविच को 7-6(5), 5-7, 4-6, 6-2, 6-1 से मात दी।

इस हार के साथ जोकोविच का 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। ‘जोकोविच मेरे बचपन के आदर्श रहे हैं’-पेंतिहासिक जीत के बाद नवोने ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जोकोविच को हराना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा, ‘इस समय यह एक अविश्वसनीय एहसास है। नोवाक बचपन से मेरे आदर्श रहे हैं। कुछ साल पहले तक मैं टॉप-100 से बाहर था,



इसलिए 2023 तक मुझे उन्हें देखने का मौका भी नहीं मिला था।’ नवोने ने आगे कहा, ‘2026 में नोवाक के खिलाफ आर्थर एश जैसे शानदार कोर्ट पर जीत हासिल करना पागलपन जैसा है। यह उन सबसे बेहतरीन कोर्ट में से एक है, जिस पर मैंने खेला है।’

परिवार और टीम के साथ मनाई जीत- जीत के बाद नवोने ने अपने परिवार और टीम के साथ इस खास पल का जश्न मनाया।

हालांकि, उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान अगले मुकाबले पर रहेगा। उन्होंने कहा, ‘मैं यहां अपनी मां, अपने पिता और पूरी टीम के साथ हूँ। अर्जेंटीना में मेरा परिवार भी निश्चित तौर पर बहुत खुश होगा। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन अब हमें रिकवर करना होगा। हमें इस पल का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि ऐसे पलों को महसूस करना भी जरूरी है।’

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल रमैन डेका से एम्स के कार्यपालक निदेशक ने की सौजन्य मुलाकात



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल श्री रमैन डेका से आज लोक भवन में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल श्री अशोक जिंदल ने सौजन्य भेंट कर राज्यपाल को एम्स के तृतीय दीक्षांत समारोह 02 सितंबर 2026 के लिए आमंत्रित किया।

रॉफ्ट एवं कन्वर्जन काउंसलिंग कल से प्रारंभ होगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शासकीय एवं निजी महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के बी.एस.सी. कृषि (ऑनर्स) स्नातक पाठ्यक्रम में नवीन शिक्षा नीति 2020 के तहत प्रवेश हेतु संचालित ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया के तहत चयनित अभ्यर्थियों को पीएटी परीक्षा के आधार पर रॉफ्ट काउंसलिंग, महाविद्यालय का आबटेन एवं स्पोर्ट पर ही ऑनलाइन फीस जमा किया जावेगा।

समान नागरिक सहिता को लेकर मुस्लिम समाज की बैठक 1 सितंबर को रायपुर में

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (UCC) कानून लागू करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है और इसके लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है। उक्त समिति को सुझाव देने के लिए रायपुर मुस्लिम समाज की ओर से एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया है। यह जानकारी छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड (केबिनेट मंत्री दर्जा) के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज ने दी है। 1 सितंबर को गुरु घासीदास ऑडिटोरियम में होगी बैठक मुस्लिम समाज की यह बैठक 01 सितंबर 2026, मंगलवार को स्थान- गुरु घासीदास ऑडिटोरियम, कार्यालय छ.ग. राज्य वक्फ बोर्ड के सामने, कलेक्ट्रेट चौक, रायपुर में आयोजित की जाएगी। इसके लिए रायपुर की समस्त मस्जिदों में जुमा को ऐलान के माध्यम से सूचना दी गई है। दो प्रतियों में लिखित सुझाव लाने की अपील आयोजकों ने अपील की है कि UCC के संबंध में सुझाव लिखित में अध्यक्ष, समान नागरिक संहिता समिति, छत्तीसगढ़ के नाम से संबोधित करते हुए दो प्रतियों में प्रस्तुत करें।

नमो दीदी ड्रोन योजना ने दिया नया रोजगार ड्रोन दीदी बनकर महिलाएं भर रही सफलता की नई उड़ान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बिलासपुर के मत्सरी विकासखंड के ग्राम पोड़ी की सीमा वर्मा आज आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रही हैं। 'बिहान' योजना से जुड़कर उन्होंने अ प न ी आजीविका को नई दिशा दी है। नमो दीदी ड्रोन योजना के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर अब ड्रोन दीदी के रूप में खेतों में आधुनिक तकनीक से कीटनाशक, नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव कर रही हैं। सीमा वर्मा ने बताया कि ड्रोन संचालन के प्रशिक्षण के बाद उनके लिए रोजगार का एक नया अवसर खुला है। वे आसपास के किसानों के संपर्क में रहकर उनकी आवश्यकता के अनुसार खेतों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक एवं नैनो उर्वरकों का छिड़काव करती हैं। इससे किसानों को कम समय में खेतों में छिड़काव की सुविधा मिल रही है और सीमा को भी इस कार्य से अच्छी आय प्राप्त हो रही है। आधुनिक तकनीक से जुड़कर काम करने से उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उन्होंने बताया कि ड्रोन से छिड़काव का कारा अधिक लिए आजीविका का बेहतर माध्यम बन गया है। इससे प्राप्त होने वाली अतिरिक्त आय से परिवार की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। पहले जहां आय के सीमित साधन थे, वहीं अब ड्रोन संचालन के साथ उन्होंने अपनी आमदनी बढ़ाने का नया रास्ता तैयार किया है। सीमा का कहना है कि 'बिहान' योजना और नमो दीदी ड्रोन योजना ने उन्हें आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है सीमा वर्मा केवल ड्रोन संचालन तक ही सीमित नहीं हैं। वे मशरूम उत्पादन का कार्य भी कर रही हैं।

अब धमाकों की नहीं, रेडियो की गूंज दूरस्थ वनांचल छिंदनार के लोगों ने सुनी प्रधानमंत्री के ‘मन की बात’

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नक्सलवाद की समाप्ति के बाद बदलते बस्तर की नई तस्वीर रोज सामने आ रही है। आज दत्तेवाड़ा के सुदूर वनांचल छिंदनार में भी एक नया नजारा देखने को मिला। पूरे देश के साथ वहां के लोगों ने भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का प्रसारण सुना। छिंदनारवासियों के लिए यह पहला मौका था, जब पूरा गांव प्रधानमंत्री को सुनने के लिए जुटा था। प्रधानमंत्री को रेडियो पर सुनने को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह था। उन्होंने बेहद तल्लीनीत से प्रधानमंत्री की बातें सुनीं। छिंदनार में आज बिलकुल अलग तरह का माहौल था। प्रधानमंत्री की 'मन की बात' को लेकर लोग खासे उत्साहित थे। गांव के कई लोगों ने आज पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सुना। वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार



कश्यप, बस्तर के सांसद श्री महेश कश्यप अटामी ने भी ग्रामीणों के साथ 'मन की बात' और दत्तेवाड़ा के विधायक श्री चैतराम का प्रसारण सुना। बस्तर के दूरस्थ वनांचल

नोनी सुरक्षा योजना दे रही बेटियों के भविष्य को नई उम्मीद

आर्थिक सुरक्षा से कम हुई चिंता, पढ़ाई और विवाह जैसे महत्वपूर्ण पड़ावों के लिए संबल बनी योजना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गौरला विकासखंड के ग्राम पंचायत सारबहरा की श्रीमती आकांक्षा अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य को लेकर हमेशा चिंतित रहती थीं। उनकी इच्छा थी कि बेटी को अच्छी शिक्षा मिले और आगे चलकर उसका जीवन सुरक्षित, आत्मनिर्भर और खुशहाल हो। सीमित आर्थिक संसाधनों के बीच बेटी के भविष्य के लिए बेहतर प्रबंध करना उनके लिए चुनौती थी। इसी चिंता को कम करने और बेटी के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने की दिशा में आकांक्षा ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के माध्यम से अपनी बेटी का 'नोनी सुरक्षा योजना' के तहत पंजीयन कराया। योजना से मिलने वाली आर्थिक सुरक्षा के भरोसे ने उनके मन में बेटी के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाई है। बेटी की पढ़ाई और भविष्य के सपनों को मिलावा संबल आकांक्षा को उम्मीद है कि योजना के माध्यम से मिल रूप से भी रहत दी है। सरकारी योजनाएं बन रही हैं परिवारों का संबल आकांक्षा का कहना है कि बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के उद्देश्य से संचालित जनकल्याणकारी योजनाएं परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सहारा बन रही हैं। ऐसी योजनाओं से अभिभावकों में अपनी बेटियों की



शिक्षा और भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ता है तथा उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि बेटी का भविष्य सुरक्षित होना पूरे परिवार के लिए खुशी और संतोष की बात है। सरकार की योजनाओं से मिलने वाला

सहयोग परिवारों को बेटियों की बेहतर परवरिश और शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करता है।

मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

आकांक्षा ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए चलाई जा रही इस जनकल्याणकारी पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास परिवारों के लिए उम्मीद और संबल का माध्यम बन रहे हैं। आकांक्षा के लिए नोनी सुरक्षा योजना उनकी बेटी के सुरक्षित, आत्मनिर्भर और उज्ज्वल भविष्य की उम्मीद बन गई है। उन्हें भरोसा है कि सरकार की इस पहल का लाभ उनकी बेटी के जीवन में बेहतर अवसरों का रास्ता खोलेगा और उसके सपनों को नई उड़ान मिलेगी।

महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिजों की नीलामी के लिए नवा रायपुर में कल होगा रोड शो का आयोजन

टिन पोर्टल और ई-रेत सांगवारी पोर्टल का होगा शुभारंभ, होंगे कई महत्वपूर्ण समझौते

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में खनिज क्षेत्र के विकास, निवेश और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के प्रभावी दोहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। रोड शो में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, सीएमडीसी के अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव, खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारी, खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल होंगे। भारत सरकार द्वारा क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक मिनरल्स की 8वीं किशत के अंतर्गत 20 खनिज ब्लॉक्स को नीलामी के लिए एच 17 के तहत है। इनमें 3 माइनिंग लीज तथा 17 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉक्स शामिल हैं। इन ब्लॉक्स में ग्रेफाइट, रेयर अर्थ एलिमेंट्स, रेयर मेटल्स, वैनेडियम, गैलियम, टाइटेनियम, मोलिब्डेनम, टंगस्टन सहित अन्य महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। ये खनिज देश की ऊर्जा सुरक्षा, आधुनिक प्रौद्योगिकी, औद्योगिक विकास और रणनीतिक आवश्यकताओं की दृष्टि से

अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। टिन पोर्टल और ई-रेत सांगवारी पोर्टल का होगा शुभारंभ रोड शो के दौरान छत्तीसगढ़ में खनिज क्षेत्र को आधुनिक, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण पहल की जाएंगी। मुख्यमंत्री के मुख्य अतिथ्य में टिन पोर्टल तथा ई-रेत सांगवारी पोर्टल का राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे, सीएमडीसी और इंडियन ओवरसीज बैंक के बीच एमओयू, कोर-ड्रम कटिंग एवं पॉलिशिंग के प्रशिक्षण के लिए पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के साथ एमओयू का आदान-प्रदान भी किया जाएगा। साथ ही माइनर मिनरल्स पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन तथा तीन लाइमस्टोन माइनिंग

लीज ब्लॉक्स के लिए एनआईटी जारी करने की प्रक्रिया भी प्रस्तावित है। तकनीकी सत्र में नीलामी प्रक्रिया और निवेश के अवसरों पर होगी चर्चा दोपहर 2 बजे से आयोजित तकनीकी सत्र में खनिज ब्लॉक्स की नीलामी, निवेश और अन्वेषण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड द्वारा नीलामी के लिए प्रस्तावित खनिज ब्लॉक्स पर प्रस्तुतीकरण दिया जाएगा। एसबीआई कैम्प द्वारा मिनरल ऑक्शन प्रोसेस एवं टेंडर डॉक्यूमेंट तथा एमएसटीसी द्वारा मिनरल ई-ऑक्शन प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

मुख्यमंत्री के मुख अतिथ्य में होगा उद्घाटन सत्र

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10:30 बजे पंजीयन एवं चाय के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। दोपहर 12 बजे मुख्य अतिथि के आगमन एवं दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात वंदे मातरम् और राष्ट्रगान होगा। इसके बाद छत्तीसगढ़ शासन के खनिज संसाधन विभाग के सचिव स्वागत उद्घोषण देंगे। कार्यक्रम में खान मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त सचिव उद्घाटन उद्घोषण देंगे। इसके पश्चात भारत सरकार के खान सचिव, छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव तथा छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष द्वारा संबोधन किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे के उद्घोषण के बाद मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन देंगे।

‘एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया वृक्षारोपण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर चलाए जा रहे 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत आज रायपुर स्थित अशोकाम पाम मीडेज सोसाइटी में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक लोगों से पौधरोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में श्री राजेश मृणत, श्री अनुज शर्मा, श्री राजीव अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति और मातृशक्ति के प्रति सम्मान की भावना से जुड़ा जन-अभियान है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने इस अभियान के माध्यम से देशवासियों को अपनी माँ के सम्मान में एक पेड़ लगाने का भावनात्मक और पर्यावरणीय संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि



आज बढ़ते शहरीकरण और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच वृक्षों का महत्व और भी बढ़ गया है। पेड़ हमें केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण,

तापमान को संतुलित रखने और जैव विविधता को बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा कि एक पेड़ लगाना प्रकृति को दिया गया हमारा छोटा-सा योगदान है,

में आज एक नई तस्वीर दिख रही थी। कुछ महीनों पहले तक रोज धमाकों की आवाज के बीच दहशत में जीने वाले छिंदनार के लोग आज चैन से रेडियो सुन रहे थे। 'मन की बात' सुनने के बाद ग्रामीणों ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम देश को एक सूत्र में बांधता है। इसके माध्यम से वे देश के विभिन्न भागों में बदलाव लाने वाले सकारात्मक कार्यों और नवाचारों को पूरे देश के सामने रखते हैं। इससे अन्य लोग भी अच्छे कार्यों के लिए प्रेरित होते हैं। प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम समाज और देश के विकास के लिए जनभागीदारी की भावना को बढ़ाता है। यह कार्यक्रम नागरिकों की नई सोच, नई पहलों, अनूठी कोशिशों और नवाचारों से पूरे देश को वाकफ कराता है और उसे पहचान दिलाता है। प्रधानमंत्री के

इस कार्यक्रम से लोगों को छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश की संस्कृति, विरासत और सकारात्मक कार्यों की जानकारी मिलती है। छिंदनार में 'मन की बात' के लिए लोगों का जुटना बस्तर में तेजी से आ रहे बदलावों की झलक मात्र है। पूरे बस्तर के चहुंमुखी विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं को हर नागरिक तक पहुंचाने के साथ ही सड़कों, मोबाइल कनेक्टिविटी, स्कूलों, अस्पतालों एवं अन्य बुनियादी जरूरतों की व्यवस्थाओं को मजबूत किया जा रहा है। सरकार बस्तर के दूरस्थ और दुर्गम गांवों तक पहुंचकर नक्सलवाद के कारण दशकों तक ठप्प पड़े विकास कार्यों, बुनियादी जरूरतों और नागरिक सुविधाओं को दुरुस्त करने के लिए सक्रियता और गंभीरता से काम कर रही है।

● ‘महतारी वंदन’ से आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बड़े कदम ●

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने के साथ ही वे अपने परिवार की जरूरतों और भविष्य की योजनाओं को लेकर भी आत्मनिर्भर निर्णय ले रही हैं। योजना के तहत मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता महिलाओं के लिए बचत और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की तैयारी का माध्यम बन रही है। कोरबा नगर के सीतामढ़ी क्षेत्र के विकास नगर की श्रीमती ज्योति पटेल भी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित हो रही हैं। उन्हें हर माह एक हजार रुपये की राशि प्राप्त होती है। श्रीमती ज्योति पटेल इस राशि को अपनी दोनों बेटियों के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उन्होंने दोनों बेटियों के नाम सुकन्या समृद्धि योजना में बचत शुरू की है। श्रीमती पटेल बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उन्हें अपने स्तर पर बचत करने का अवसर दिया है। अब बेटियों के भविष्य के लिए थोड़ी-थोड़ी राशि बचाने के लिए उन्हें हर बार पति से पैसे मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती। हर माह मिलने वाली राशि को वे अपनी प्राथमिकता के अनुसार बेटियों के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि 'विष्णु भैया' बहनों के बारे में सोचते हैं। वे समय पर बहनों के खातों में पैसे डाल देते हैं। महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से मुझे अपने मन के अनुसार बेटियों के भविष्य के लिए बचत करने की खुशी मिलती है। अब मुझे इसके लिए हर छोटी जरूरत पर पति से पैसे मांगने की जरूरत नहीं पड़ती। 'विष्णु भैया' ने बहनों के बारे में सोचकर बहुत अच्छी योजना बनाई है, जिससे हम अपने परिवार और बच्चों के भविष्य के लिए भी कुछ कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना की यह राशि अब केवल मासिक सहायता नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों और सुरक्षित भविष्य के लिए एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण बचत बन गई है। सुकन्या समृद्धि योजना में नियमित बचत के माध्यम से वे अपनी दोनों बेटियों की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों के लिए अभी से तैयारी कर रही हैं। वे कहती हैं कि 'विष्णु भैया' की इस पहल से महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। समय पर मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ बचत और भविष्य की योजनाओं पर भी ध्यान दे पा रही हैं।



‘एक घंटा खेल के मैदान में’ के अंतर्गत साइकिलिंग गतिविधि (संडे ऑन साइकिल) का आयोजन

‘खेलेगा भारत, जीतेगा भारत’ की थीम पर विद्यार्थियों ने दिया फिटनेस का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित तीन दिवसीय खेल गतिविधियों के अंतर्गत 'एक घंटा खेल के मैदान में' एवं 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की थीम पर साइकिलिंग गतिविधि ' (संडे ऑन साइकिल)' का आयोजन किया गया। साइकिलिंग गतिविधि का शुभारंभ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल जी ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से साइकिलिंग रैली की होरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल एवं शारीरिक गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। हरी झंडी दिखाए



जाने के साथ ही विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ साइकिलिंग यात्रा प्रारंभ की। लगभग 5 किलोमीटर की साइकिलिंग यात्रा प्रशासनिक भवन से प्रारंभ होकर इंजीनियरिंग कॉलेज, संगीत वाटिका, एग्रीकल्चर म्यूजियम, कॉलेज कैम्पस एवं आवासीय परिसर होते हुए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सम्पन्न हुई। साइकिलिंग गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों ने फिटनेस,

स्वास्थ्य, अनुशासन एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। अवसर पर डॉ. संजय शर्मा, डॉ. एच.के. सिंह, सुबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा, डॉ. राम कुमार ठाकुर सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शिक्षकगण तथा एनएसएस स्वयंसेवक अमर सोनकर, मुकुंश एवं सनत साहू सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।